दैनिक

# लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-71 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 28 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये


### सिंहस्थ में आने वाले अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए की जा रही हैं तैयारियां

## देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश:मुख्यमंत्री

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे।

### कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं।

### सिंहस्थ सबसे बड़ा धार्मिक मेला है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बारे में कहा कि उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह केवल उज्जैन और मध्यप्रदेश का ही नहीं देश का भी सबसे गरिमापूर्ण आयोजन है। उज्जैन की आबादी 8 लाख है, पर सिंहस्थ के दौरान यहां दो महीनों के भीतर 40 करोड़ लोग आएंगे। इसके लिए हमें उज्जैन को तैयार करना है, जिससे किसी भी श्रद्धालु को बाल बराबर भी कष्ट न होने पाए, हमारी सरकार इसके लिए सारे प्रबंधन करके चल रही है।

## नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है। भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं। जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विपक्ष को सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। यह परियोजना राज्यों के हित में है। इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है।

## शादीशुदा पुरुष का लिव-इन में रहना अपराध नही

### इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला, कहा-नैतिकता और कानून अलग-अलग

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शादीशुदा पुरुष का किसी बालिग महिला के साथ सहमति से लिव-इन में रहना अपराध नहीं है। नैतिकता और कानून दोनों अलग-अलग चीजें हैं। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की बेंच ने कहा कि यदि कानून के तहत कोई अपराध नहीं बनता, तो सामाजिक विचार और नैतिकता कोर्ट के फैसले को प्रभावित नहीं करेंगे।कोर्ट शाहजहांपुर के एक केस से जुड़ी सुनवाई कर रहा था। जिसमें लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक कपल ने परिवार से मिल रही धमकियों के खिलाफ सुरक्षा मांगी थी। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कपल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। साथ ही महिला के परिवार को कपल से संपर्क करने या उन्हें किसी तरह का नुकसान पहुंचाने से भी मना किया है। महिला ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में कहा कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से पुरुष के साथ रह रही है।

### ईरान ने सात दिन मांगे, मैंने 10 दिए

## ट्रंप ने तेहरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले की नई डेडलाइन तय की

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को बताया कि ईरान ने उनके ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के लिए सात दिन का समय मांगा था, लेकिन हमने 10 दिनों का समय दिया। जिसकी डेडलाइन 6 अप्रैल है। मीडिया के साथ बातचीत में ट्रंप ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दोनों पक्षों की राजनयिक बातचीत में ईरान ने उनकी सरकार से संपर्क कर अधिक समय देने का अनुरोध किया था। अबू धाबी में एक मिसाइल हमले को नाकाम कर दिया गया। हालांकि, मिसाइल का मलबा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। ईरान ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए खतरनाक या आत्मघाती रणनीति अपनाता है, तो भी वे तैयार हैं। उनका कहना है कि वे हर स्थिति में इस रास्ते को बंद रखने की क्षमता रखते हैं। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में तेल सप्लाई होती है।

### अमेरिका ने जमीनी हमला किया तो मुंहतोड़ जवाब मिलेगा

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर उसने ईरान पर जमीनी हमला किया, तो उसे भीषण नरक यानी मुहंतोड़ कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। ईरान के एक सैन्य सूत्र ने कहा है कि इस संभावित हमले की खबर के बाद देश में लड़ने का जोश बढ़ गया है।

### पश्चिम एशिया संकट-पीएम मोदी की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक , तैयारियों की हुई समीक्षा

## सरकार ने कहा- देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर रहे हैं। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गयी। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी। इधर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने भी कहा- लॉकडाउन से जुड़ी अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार है। करीब दो महीने के लिए ईंधन उपलब्ध है।

### सुरक्षित जहाजरानी और आयात रणनीति

रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत ने जलडमरूमध्य होर्मुज को पार करने वाले भारतीय जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एलपीजी से लदे चार जहाज सुरक्षित रूप से भारत पहुंच चुके हैं।

### केंद्र ने राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रियों का एक ग्रुप बनाया

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रियों का एक ग्रुप बनाया है। इसमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण और हरदीप पुरी भी शामिल हैं। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल की तरफ से ईरान पर हमले के बाद युद्ध शुरू हुआ था। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में जवाबी हमले किए। अब यह युद्ध चार हफ्ते से जारी है और इसके जल्द खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। इस संकट का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है, खासकर तेल और गैस की कीमतों पर। लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के 4 दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है।

## सरकार का फॉर्मूला तय, ओबीसी कोटा नहीं, 2029 चुनाव से लागू होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

अगले आम चुनाव में महिलाओं के लिए एक तिहाई स्थान सुरक्षित करने की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। इस विषय पर केवल विपक्षी दलों से ही नहीं बल्कि सत्ताधारी गठबंधन के भीतर भी गहन चर्चा की जा रही है। बुधवार को हुई बैठक में पिछड़ा वर्ग के लिए अलग कोटे जैसे कुछ प्रश्नों के बीच संविधान संशोधन विधेयक पर सहमति बन गई है। सरकार अब कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों से अंतिम वार्ता के बाद इस विधेयक को प्रस्तुत करने का समय निर्धारित करेगी। बैठक के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने गठबंधन के सहयोगियों को विस्तार से बताया कि सरकार इस विषय पर इतनी सक्रिय क्यों हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के बाद होने वाली सीमा निर्धारण की प्रक्रिया 2029 तक ही पूर्ण हो पाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आगामी आम चुनाव में लागू करने का अपना वचन पूरा करना चाहती है।

### विधानसभा चुनावों पर प्रभाव नहीं

सरकार जिस योजना पर विपक्ष से संवाद कर रही है उसके अनुसार महिला आरक्षण को वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से ही लागू किया जाना है। सत्ता पक्ष की बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि वर्ष 2023 में विधेयक लाते समय इसे दो हजार उन्नतीस में प्रभावी करने का ही संकल्प लिया गया था।

## रुपया 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

### इस वित्त वर्ष डॉलर के मुकाबले 10 प्रतिशत गिरा, 14 साल का रिकॉर्ड टूटा

**नई दिल्ली.** भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और एनर्जी सप्लाई चैन में आई रुकावटों के कारण भारतीय रुपए में यह गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने में ही रुपया करीब 4 प्रतिशत टूट चुका है, जबकि इस फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में इसमें 10त्न से ज्यादा की गिरावट आई है। यह पिछले 14 सालों की सबसे बड़ी गिरावट है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान जंग जारी रही तो रुपया जल्द ही 98 के स्तर तक जा सकता है।

### महंगाई | निर्माण पर नई दरों में 1000 रुपए प्रति वर्ग मीटर बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से होगी लागू

## प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन दरों में 16% वृद्धि

भोपाल (एजेंसी)

केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने प्रदेश में प्रॉपर्टी की नई कलेक्टर गाइडलाइन दरों को मंजूरी दे दी है। प्रॉपर्टी की नई कलेक्टर गाइडलाइन दरों में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। नई दरें लागू होने के बाद प्रॉपर्टी खरीदना अब पहले की तुलना में महंगा हो जाएगा।

कलेक्टर गाइडलाइन की नई दरें 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगी। इसके अलावा निर्माण पर नई दरों में 1000 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से वृद्धि की गई है। खास बात यह है कि निर्माण की दरें 5 साल बाद बढ़ाई गई हैं। इससे मकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। नई गाइडलाइन लागू होने के बाद प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने वालों को अधिक स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होगा। क्योंकि रजिस्ट्री का मूल्यांकन गाइडलाइन दरों के आधार पर ही किया जाता है। अधिकारियों का कहना है कि गाइडलाइन दरों में संशोधन बाजार की वास्तविक कीमतों के अनुरूप किया गया है।

प्रॉपर्टी मार्केट से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से रियल एस्टेट सेक्टर पर मिश्रित असर पड़ सकता है। जहां एक ओर सरकार को राजस्व में बढ़ोतरी होगी, वहीं दूसरी ओर महंगी प्रॉपर्टी के कारण कुछ समय के लिए खरीद-फरोख्त की गति धीमी पड़ सकती है। मध्यम वर्ग और पहली बार घर खरीदने वाले लोगों के लिए यह बढ़ोतरी चिंता का कारण बन सकती है। नई गाइडलाइन दरें जल्द ही अधिसूचित की जाएंगी और उसके बाद पूरे प्रदेश में लागू हो जाएंगी।

## शासकीय आदर्श आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय 'गार्गी', भोपाल में वार्षिक समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

**भोपाल।** शासकीय आदर्श आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय 'गार्गी' में आयोजित वार्षिक समारोह अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मानव अधिकार आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह की विशिष्ट उपस्थिति रही, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने की।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में बीएसएफ 41 बटालियन के कमांडेंट मनीष यादव उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्य स्नेहा सालोडकर ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह में मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा, संयुक्त सचिव अजय प्रताप सिंह सहित संस्कृत भाषा के अनेक विद्वान सदस्य भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में विद्यालय द्वारा भारतीय संस्कृति के पुनर्स्थापन हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 'यह संस्थान बालिकाओं को केवल शिक्षा ही नहीं, अपितु संस्कार भी प्रदान कर रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ी सशक्त एवं संस्कारित बन रही है।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नवीन आनंद जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति और संस्कृति दोनों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'यदि हम जागरूक होकर प्रकृति और संस्कृति का संरक्षण कर सकें, तो समाज और राष्ट्र दोनों सुरक्षित रहेंगे।'

इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने योगाभ्यास की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, संस्कृत काव्य-पाठ के माध्यम से अपनी विद्वता का परिचय दिया तथा वेदों के श्लोकों का शुद्ध एवं प्रभावी उच्चारण कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, छात्राओं द्वारा 'वेस्ट से बेस्ट' थीम पर तैयार उपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसकी अतिथियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

विशेष उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में 'गार्गी' एकमात्र ऐसा आवासीय संस्कृत विद्यालय है, जहां की छात्राएं संस्कृत भाषा में दक्षता प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रही हैं। यहां श्रीमद्भागवत गीता, रामचरितमानस, वेद एवं उपनिषदों का गहन अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है। पूर्णतः आवासीय व्यवस्था में रहकर छात्राएं अपने सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अनुपम शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्कृत शिक्षिका सीता यादव सहित विभिन्न विषयों के प्राध्यापक एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह ने न केवल सांस्कृतिक चेतना को जागृत किया, बल्कि भारतीय परंपरा एवं संस्कारों के प्रति नई पीढ़ी में गर्व और समर्पण की भावना भी बढ़ाई ।

# सतना-मैहर में दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क शिविर होंगे आयोजित

नगर संवाददाता, सतना।

सतना एवं मैहर जिले में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद हितग्राहियों को आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनके जीवन को अधिक सुगम और आत्मनिर्भर बनाया जा सके। शिविरों में जयपुर फुट (कृत्रिम पैर), कृत्रिम हाथ, कैलिपर, बैसाखियां, वॉकर, रोलेटर, चलने की छड़ी, ट्राइपॉड, क्वाड्रिपॉड, व्हीलचेयर, सफेद छड़ी एवं श्रवण यंत्र निःशुल्क वितरित किए जाएंगे।

इसी प्रकार मैहर जिले में 8 अप्रैल को जनपद पंचायत मैहर, 9 अप्रैल को जनपद पंचायत अमरपाटन, 10 अप्रैल को रामनगर तथा 11 अप्रैल को नगर पालिका मैहर, नगर परिषद अमरपाटन एवं न्यू रामनगर के सभी वार्डो के दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए सूचना पर्यटक केंद्र बस स्टैंड के पीछे मैहर में शिविर आयोजित होगा।

## अष्टमी पर वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को कराए गए मां शारदा देवी के दर्शन

**मैहर।** नवरात्रि अष्टमी के पावन अवसर पर मैहर कलेक्टर रानी बाटड के निर्देशानुसार एक सराहनीय पहल की गई। इस दौरान वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गजनों को मातारानी के दर्शन कराए गए। कार्यक्रम के तहत सभी वृद्धजनों को विधि-विधान से माता के दर्शन कराए गए तथा उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रसाद भी वितरित किया गया। इस भावपूर्ण आयोजन से बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक साफदिखाई दी।

## परसमनिया में भाजपा का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

विधानसभा के परसमनिया मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 में परसमनिया द्वितीय दिवस के चौथे सत्र में बूथ प्रबंधन एवं मन की बात के विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण द्विवेदी एडवोकेट सम्मिलित हुए तथा सत्र की अध्यक्षता विजय तिवारी जी ने किया तथा संचालन मंडल महामंत्री लोकपाल सिंह जी ने किया 7 उक्त प्रशिक्षण महाअभियान में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता महाराज कुमार प्रीतेन्द्र सिंह जूदेव 'प्रीतू बाबा ', मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र रावत, वर्ग नियंत्रक सरदार सिंह धुर्वे शिवदत्त पांडे 'मुन्नू महाराज ', पूर्व मंडल अध्यक्ष श्रीराम लखन गुप्ता तथा भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अनुपमा हायर सेकेंडरी स्कूल का कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नगर संवाददाता, सतना।

अनुपमा हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र छात्राओं ने कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षाओं में फिर से अपनी श्रेष्ठता साबित की है। स्कूल के कई छात्रों ने परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं और स्कूल का नाम रोशन किया है। कक्षा 8वीं में निहारिका त्रिपाठी ने 92.66 प्रतिशत अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। अन्य टॉपरों में शामिल हैं अन्या यादव 92.16 प्रतिशत, रूचि दुबे 91.66 प्रतिशत वैष्णवी गुप्ता 89.66 प्रतिशत , शिवांगी सिंह 89.50 प्रतिशत। इसी प्रकार कक्षा 5वीं में आलोक चौधरी ने 90.5 प्रतिशत अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। अन्य टॉपरों में शामिल हैं। अंकिता अग्रवाल 85.75 प्रतिशत, आर्यन सिंह 84.75 प्रतिशत आराध्य मिश्रा 84.75 प्रतिशत, प्रियांश भसीन 83.5 प्रतिशत हर्ष पांडे 83.25 प्रतिशत। विद्यालय के संचालक डॉ. प्रमोद तिवारी, सचिव डॉ. शैला तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी योगेन्द्र कुमार सिन्हा, सलाहकार आर.ए.सिंह ने छात्रों की सफलता पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने छात्रों के माता.पिता और शिक्षकों को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया है।

[ उत्सव ] हिंदू पर्व समन्वय समिति की श्री रामनवमी शोभायात्रा आज

# प्रभु श्री राम की अगवानी के लिए सज गया शहर

## मंदिरों में गूंजेगी भए प्रगट कृपाला की धुन

नगर संवाददाता, सतना।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव श्री रामनवमी पर्व पर आज नगर के सभी मंदिरों में ठीक 12 बजे भये प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी की धुन के साथ प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर श्री बिहारी जी, श्री रामजानकी मंदिर डालीबाबा,वेंकटेश मंदिर, प्रणामी मंदिर, तुलसी मानस मंदिर,राम दरबार मंदिर, सत्यनारायण मंदिर सहित सभी देवस्थलों एवं घरों में श्री रामचरितमानस का गायन एवं प्रभु श्री राम की आरती एवं प्रसाद वितरण होगा। राम भक्तों द्वारा श्री रामचरितमानस का गायन कर श्री रामनवमी को उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा।

## आज ठीक 5 बजे निकलेगी शोभायात्रा

हिंदू पर्व समन्वय समिति के तत्वावधान मे आयोजित शोभायात्रा आज शाम 5 बजे विद्वत आचार्यों के मंत्रोच्चार एवं शंखध्वनि के साथ श्री गुरुद्वारा नानक दरबार परिसर से प्रारंभ होगी। संयोजक जितेंद्र जैन ने बताया कि इसके पूर्व संत समाज एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा गुरुद्वारा परिसर में भव्य एवं मनोहारी मंच में विराजमान प्रभु श्रीराम की आरती-पूजन एवं माल्यार्पण किया जाएगा। इसके पश्चात प्रभु श्रीराम दिव्य रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। समन्वय समिति के प्रचार प्रमुख अनुराग गोस्वामी ने बताया कि संतों के पावन सानिध्य एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति एवं मातृशक्ति- युवा शक्ति के साथ विशाल ध्वजवाहिनी एवं आकर्षक बैंड बाजा की भक्तिमयी धुनों के साथ श्री रामनवमी शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए शाम सात बजे श्री राम दरबार मंदिर सुभाष पार्क पहुंचेगी। जहां विशाल मंच में प्रभु श्रीराम एवं शोभायात्रा में चलने वाले सभी झांकियों के दिव्य स्वरूपों की भव्य आरती एवं श्री हनुमान चालीसा का पाठ होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजनों की प्रस्तुति आकर्षक आतिशबाजी एवं प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। हिंदू पर्व समन्वय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष इंजी.रमेश जैन, संयोजन समिति सदस्य उत्तम बनर्जी, योगेश ताम्रकार, संयोजक कमलजीत सिंह सेठी, जितेंद्र जैन, रामावतार चमड़िया, हेमचंद्र लखनलाल केशरवानी, नरेंद्र चंद्र गुप्ता डब्बू, शोभायात्रा प्रभारी हरिओम गुप्ता, विपिन सिंह, सुनील सेनानी कारा, जान्हवी त्रिपाठी, चांदनी श्रीवास्तव, सुश्री अर्पिता सोनी, अंजली पांडेय सहित आयोजन समिति ने नगर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, युवाशक्ति, मातृशक्ति से अनुरोध किया है कि नगर की ऐतिहासिक शोभायात्रा में अपनी सहभागिता कर आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान करें।

## शोभायात्रा के स्वागत हेतु लोगों में उत्साह

हिंदू पर्व समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली श्री रामनवमी शोभायात्रा के स्वागत एवं प्रभु श्रीराम के स्वागत के लिए संपूर्ण नगर भगवा ध्वज- झालर, स्वागत एवं आकर्षक साज-सज्जा के साथ तैयार है। नगर के समस्त सामाजिक, व्यावसायिक, राजनीतिक जाति-बिरादरी एवं धार्मिक संगठन रामजी की शोभायात्रा में सहभागिता के लिए पूरी सक्रियता के साथ लगे हुए हैं। हिंदू पर्व समन्वय समिति के संयोजक कमलजीत सिंह सेठी ने बताया कि इस वर्ष आयोजन का 22 वां समारोह है। नगरवासियों का उत्साह विगत वर्षों से भी अधिक है एवं संयोजन समिति के संकल्प 'अबकी बार- हर परिवार ' को पूरा करने के लिए सभी शक्ति केंद्र संकल्पित है। विंध्य क्षेत्र के ग्रामीण एवं नगरवासी शोभायात्रा में रामलला जी की आरती और स्वागत करने के लिए आतुर है।

## स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति सजग समिति

समन्वय समिति ने नगर की परंपरा अनुसार सभी सामाजिक संगठनों से अनुरोध किया है कि शोभायात्रा मार्ग में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। समिति के वरिष्ठ सदस्य योगेश ताम्रकार ने सभी स्वागतकर्ता संस्थाओं से अनुरोध किया है कि प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल भी ना करें। दोना या कागज के डिस्पोजल ही प्रयोग में लाएं एवं हर स्वागत स्थल के पास बड़े डस्टबिन रखें और लोगों को प्रेरित करें कि डिस्पोजल डस्टबिन में ही रखें। समिति ने सभी स्वागतकर्ता संगठनों से अनुरोध किया है कि अपने कुछ कार्यकर्ताओं को स्वच्छता कार्य के लिए भी तैयार रखें। शोभायात्रा के अंत में स्वच्छता वाहिनी चलेगी जो सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उसके साथ ही शक्ति केंद्र की भी विभिन्न टीम अलग-अलग स्थल पर स्वच्छता के लिए सजगता रखेंगे एवं सफाई कार्य करेंगे लेकिन हमारा प्रयास ऐसा होना चाहिए कि गंदगी हो ही नहीं, यह अपने नगर एवं समाज के लिए एक अच्छी पहल होगी।

## झांकियों को मिलेंगे क्रमांक

समिति सदस्य विजय गुप्ता ने बताया कि शोभायात्रा प्रारंभ स्थल पर दोपहर 2 बजे से आने वाली झांकियों को क्रमांक आवंटित किए जाएंगे। टोकन वितरण का क्रम 'पहले आए-पहले पाएं' के हिसाब से रहेगा। शोभायात्रा में शामिल होने वाली झांकियां अंडर ब्रिज की ओर से जनकपुरी मंच की ओर प्रवेश करेंगी। प्रभु श्रीराम का रथ गुजराती स्कूल के पास रहेगा। जिसके पीछे पुष्पवर्षा वाहन तत्पश्चात आने वाली झांकियां क्रमानुसार रहेंगी। श्री रामरथ के आगे नगर के गणमान्य नागरिक, संत समाज, मातृशक्ति, कलश वाहिनी, ध्वज वाहिनी, संगीत रथ, शौर्य वाहिनी एवं विश्व हिंदू परिषद के विभिन्न प्रखंडों से आने वाले श्री राम जी के स्वरूप शामिल होंगे। झांकियों का अंतिम छोर प्रेमनगर की ओर रहेगा। समिति सदस्य जितिन यादव ने झांकी लाने वाले सभी संगठनों से अनुरोध किया गया है कि प्रशासन की व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सभी सुसज्जित झांकियां ओवर ब्रिज होकर धवारी होते हुए लाएं एवं कलेक्ट्रेट- वेंकट क्रमांक एक की ओर सड़क पर कोतवाली की ओर क्रम से लगाते जाएं। उन्हें क्रमांक- ध्वज एवं सामग्री गुरुद्वारा प्रांगण स्थित कंट्रोल रूम में प्रदान की जाएगी। समिति सदस्य राजेश मेहता ने झांकियां लाने वाली सभी समितियों से अनुरोध किया है कि अपनी झांकी की ऊंचाई सीमित रखें एवं पूर्ण सज्जित कर ही शोभा यात्रा प्रारंभ स्थल पर लाकर अपने क्रमांक प्राप्त कर व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें।

## शोभायात्रा का मार्ग

समन्वय समिति सदस्य श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने बताया कि श्री रामनवमी शोभायात्रा गुरुद्वारा नानक दरबार से प्रारंभ होकर अग्रसेन चौक, जयस्तंभ चौक, बिहारी चौक, चौक बाजार, अहिंसा चौक, अरिहंत चौक अस्पताल तिराहा, नगर निगम तिराहा, पुराना पावर हाउस चौक, हनुमान चौक, फूलचंद चौक, लालता चौक, गांधी चौक, सुभाष चौक होकर श्री राम दरबार मंदिर सुभाष पार्क में पूर्ण होगी। आयोजन समिति ने शोभायात्रा मार्ग में सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि शोभायात्रा में झांकियों का पुष्प वर्षा से स्वागत करें एवं शोभायात्रा में भी शामिल हो।

## शोभायात्रा में निषाद राज के स्वरूप की झांकी शामिल होगी

रामनवमी के उपलक्ष्य आयोजित शोभायात्रा में 27 मार्च को शाम 4 बजे माझी समाज की झांकी सिटी कोतवाली के पीछे सतना से शहर बाजार भ्रमण हेतु निकाली जाएगी व सुभाष पार्क सतना में समाप्त हो जाएगी, जिसमें आप परिवार व समाज के अन्य लोगों व मित्रों के साथ सादर आमन्त्रित है, आपकी उपस्थित थे। हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित शोभा यात्रा में जन-जन की सहभागिता एवं पर्यावरण की दृष्टि से स्वच्छता बनाए रखने की अपील लेकर व्यवसायिक संगठन के पदाधिकारी, समाजसेवी संगठन के प्रमुख सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों ने शोभायात्रा मार्ग में भ्रमण कर सभी से विनम्र आग्रह किया कि इस पावन यात्रा को भव्य स्वच्छ एवं अनुशासित बनाए रखने हेतु संकल्पित रहे। नगर निगम महापौर योगेश ताम्रकार, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, समिति कार्यकारी अध्यक्ष इंजी.रमेश जैन, संयोजक कमलजीत सिंह सेठी, जितेंद्र जैन, शोभायात्रा प्रभारी हरिओम गुप्ता की अगुवाई में व्यापारियों और समाज सेवीयों को आमंत्रण पत्र देने पहुंचे उत्तम बैनर्जी इंजी रमेश जैन महापौर योगेश ताम्रकार नरेन्द्र चंद्र गुप्ता डब्बू जितेंद्र जैन कमल जीत सिंह सेठी सतीश सूखेजा विनोद यादव रामावतार चमड़ियां प्रहलाद कुशवाहा दीपक अग्रवाल मनोहर डिग्वानी श्याम लाल गुप्ता श्यामू राजेश मेहता अनुराग गोस्वामी एड अंजना तिवारी किरण गुप्ता जान्हवी त्रिपाठी मनीषा सिंह अर्पिता सोनी आयुषी तिवारी घनश्याम सोनी इंजी राकेश रैकवार इंजीनियर बलराम गुप्ता सविता गुप्ता पूजा गुप्ता बलराम शुक्ला विनोद पंडित सागर गुप्ता, सौभाग्य केसरी, संजय गुप्ता, बजरंग दीपक केसरी, रत्नेश पांडेय, रामचरण गुप्ता, संदीप जैन, राजेश दुबेदी, नवीन गुप्ता, मुन्ना संतोष विश्वकर्मा, हेमचंद्र जायसवाल सुनील सेनानी, रेलवे अवस्थी, सचिन शुक्ला, रोहित अग्रवाल, राजबदुर मिश्रा अबीर दुबेदी सहित राम भक्तों ने सभी को श्री रामनवमी शोभायात्रा में आमंत्रित किया।

## रामनवमी शोभा यात्रा के लिये कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर्व के अवसर पर सतना नगर में शोभा यात्रा का आयोजन 27 मार्च को किया जा रहा है। शोभा यात्रा में बड़ी तादाद में श्रृद्धालुओं के पहुंचने की संभावना के दृष्टिगत रखते हुये कानून और प्रशासनिक व्यवस्था बनाये रखने नगर में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट सतना विकास सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार उपखंड मजिस्ट्रेट रघुराजनगर (शहरी) राहुल सिलाडिया, प्रभारी तहसीलदार सौरभ मिश्रा को झांकी के साथ अगले हिस्से के संपूर्ण रुट के लिये कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार उपखंड मजिस्ट्रेट रघुराजनगर (ग्रामीण) लक्ष्यराम जांगडे तथा राजस्व निरीक्षक योगेश तिवारी को झांकी के साथ पिछले हिस्से के सम्पूर्ण रूट के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार गुरुद्वारा सिटी कोतवाली, जयस्तंभ चौक, पन्नीलाल चौक तक के लिये नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी तथा राजस्व निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह, पुराना पावर हाउस, हनुमान चौक, फूलचन्द्र चौक के लिये प्रभारी नायब तहसीलदार राजेश सिंह एवं राजस्व निरीक्षक अभिषेक धुर्वे तथा लालता चौक, गांधी चौक, सुभाष चौक तक के रुट के लिये सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्नालाल तिवारी एवं राजस्व निरीक्षक तोतालाल बंसल को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के रुप में तैनात किया गया है। सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट 27 मार्च को दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम समापन तक सौंपे गये कार्य दायित्व का निर्वहन करेंगे। संपूर्ण व्यवस्था के लिये अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट सतना विकास सिंह (मो.नं. 7354649641) को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

## वाहन पार्किंग व्यवस्था

हिंदू पर्व समन्वय समिति के पार्किंग प्रभारी इंजी.राकेश रैकवार एवं विष्णु गुप्ता द्वारा शोभायात्रा में शामिल होने वाले रामभक्तो से अनुरोध किया है कि समिति द्वारा निर्धारित कोतवाली चौक से रेलवे की ओर जाने वाले मार्ग में स्थिति मैदान में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सभी वाहन से आने वाले अपने वाहन को सुव्यवस्थित तरीके से पार्किंग करे, जिससे आवागमन में व्यवधान न हो। समिति ने सभी से अनुरोध किया है कि गौशाला चौक से प्रशासन द्वारा मार्ग पर वाहन प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे इसलिए समय पूर्व ही वाहन पार्किंग कर ले।

## अग्रवाल सेवा संघ रामोत्सव में हुआ सम्मिलित

**सतना।** विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा खोवा मंडी में श्री रामनवमी एवं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आयोजित श्री राम उत्सव में अग्रवाल सेवा संघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं महामंत्री मनीष गोयल सहित अनेक सदस्य सम्मिलित हुए एवं श्री राम को प्रसाद अर्पित किया तथा आरती उतार कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर नगर के अनेक श्रद्धालु महिला पुरुष उपस्थित रहे।

## श्री रामा कृष्णा कॉलेज के बीबीए विभाग की फ्रेशर्स-फेयरवेल पार्टी 'कुटुम्बकम' का धूमधाम से हुआ आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

भरहुत नगर स्थित श्री रामा कृष्णा कॉलेज के बीबीए विभाग द्वारा आयोजित फ्रेशर्स और फेयरवेल पार्टी 'कुटुम्बकम' का होटल शिवलोक इंटरनेशनल में धूमधाम से समापन हुआ। यह खास आयोजन 'होली थीम' पर आधारित था, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और कॉलेज के पलों को यादगार बनाया।

**अतिथियों का हुआ भव्य स्वागत**-कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज के डायरेक्टर शाश्वत पुरी, मैनेजमेंट हेड मिस मनीषा पंजवानी और प्राचार्य डॉ. दीपक नेमा उपस्थित रहे। इनके अलावा अन्य विभागाध्यक्ष और शिक्षक भी अतिथि के तौर पर पधारे। बीबीए विभाग के विभागाध्यक्ष आशुतोष दुबे, प्राध्यापक बलजीत सिंह, मिस ख्याति पांडेय और नरेंद्र त्रिपाठी ने सभी अतिथियों और विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

**सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गेम्स ने बांधा समां**-मंच का शानदार संचालन छात्र युवराज तिवारी और अंकित जाजू ने किया। पार्टी के दौरान छात्र-छात्राओं ने मनमोहक डांस, गायन और विभिन्न मनोरंजक गेम्स का जमकर लुत्फ उठाया। रंगारंग कार्यक्रमों और होली की मस्ती के बाद सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

**इन छात्र-छात्राओं ने जीते टाइटल्स**-कार्यक्रम के सबसे आकर्षक हिस्से में विद्यार्थियों को उनके प्रदर्शन और व्यक्तित्व के आधार पर विभिन्न टाइटल्स से नवाजा गया। प्रथम वर्ष (फ्रेशर्स) से अरविंद, अनुराग, अनुराधा और लक्ष्मी ने खिताब अपने नाम किए। वहीं, तृतीय वर्ष (फेयरवेल) से नैंसी, साक्षी, विवेक और मनमोहन को विशेष टाइटल्स देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ विदाई दी गई।

**पहली बार ओपन लॉन में होली थीम का प्रयोग**-उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों के लिए यह पहली ऐसी पार्टी थी जो किसी ओपन लॉन रिसॉर्ट में पूरी तरह से 'होली थीम' पर आयोजित की गई थी। इस अनूठे प्रयोग ने इस फ्रेशर्स और फेयरवेल पार्टी को सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया।

ए.के.एस.विश्व विद्यालय में एग्रीफेस्ट 2026 का समापन

## अकादमिक प्रतिस्पर्धा व सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का संगम, विजेताओं का हुआ सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

ए.के.एस. विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा आयोजित एग्रीफेस्ट 2026 के दूसरे दिन शैक्षणिक प्रतिस्पर्धाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सुव्यवस्थित एवं बहुआयामी आयोजन किया गया, जिसने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैचारिक क्षमता और सांस्कृतिक अभिरुचि को एक मंच पर अभिव्यक्त किया। क्रिएटिव राइटिंग, क्विज प्रतियोगिता तथा एक्सटेम्पोर जैसी बौद्धिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने तर्कशक्ति, भाषिक कौशल और विषयगत समझ का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। केंद्रीय सभागार में आयोजित सांस्कृतिक संध्या का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती पूजन और सरस्वती वंदना से हुआ, जिसने कार्यक्रम को पारंपरिक गरिमा प्रदान की। इसके पश्चात कुलगीत एवं अतिथियों के औपचारिक स्वागत के साथ आयोजन आगे बढ़ा। सांस्कृतिक सत्र में विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, काव्य-पाठ एवं मोनो एक्टिंग के माध्यम से विविध सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक आयामों को प्रस्तुत किया। प्रस्तुतियों में अनुशासन, सौंदर्यबोध और विषयगत परिपक्वता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों के मनोबल को सुदृढ़ता मिली और उत्कृष्टता की भावना को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। उपस्थित अतिथियों ने एग्रीफेस्ट के आयोजन की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए एक प्रभावी और प्रेरक मंच बताया। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को उच्च शिक्षा में सह-पाठ्यक्रमीय सशक्तिकरण का आवश्यक घटक निरूपित किया। कार्यक्रम का समापन सायं आयोजित सामूहिक अल्पाहार के साथ हुआ, जिसने सहभागिता और संवाद के वातावरण को और सुदृढ़ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंजीनियर अनंत कुमार सोनी प्रति कुलाधिपति, डॉ.बी.ए.चोपड़े कुलगुरु, डॉ.हर्षवर्धन प्रति कुलपति, डॉ.आर.एस त्रिपाठी प्रति कुलपति आदि की उपस्थिति रही।

[ धर्म ] जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

# जैन संतों की ऐतिहासिक आगवानी, भव्य शोभायात्रा निकली

नगर संवाददाता, सतना।

सतना नगर की पावन धरा पर सोमवार प्रातः 7:30 बजे सम्मेद शिखरजी की यात्रा से पधारे परम पूज्य निर्यापक श्रमण 108 श्री समता सागर जी महाराज एवं 108 श्री पवित्र सागर जी मुनिराज का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। नगर में विराजमान 47 आर्यिका माताओं ने भक्ति भावपूर्वक मंगल आगवानी कर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। स्वागत के पश्चात सर्व समाज श्वेतांबर जैन संघ एवं जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे के साथ यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री नेमीश्वर धाम, विद्या ज्योतिर्मय तीर्थ दिगंबर जैन मंदिर पहुँची। शोभायात्रा में पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्रों एवं महिला वर्ग केसरिया साड़ियों में आकर्षक रूप से शामिल हुआ। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सहभागिता निभाई। श्रावकों ने घरों के बाहर रंगोली सजाकर मुनि संघ का स्वागत किया तथा पालन-प्रक्षालन कर पुण्य अर्जित किया।

मंदिर परिसर में आयोजित धर्मसभा का शुभारंभ आचार्य श्री के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पारमार्थिक संस्था द्वारा पद विहार में शामिल श्रावकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री ने अपने उद्बोधन में सतना के पुराने संस्मरण साझा करते हुए आगामी रामनवमी पर भगवान राम के जीवन चरित्र पर विशेष प्रवचन देने की घोषणा की। दोपहर 2 बजे परम पूज्य 108 आचार्य श्री समय सागर जी महामुनिराज का तृतीय आचार्य पदारोहण दिवस श्रद्धा के साथ मनाया गया। रात्रि में भगवान शांतिनाथ एवं भगवान नेमिनाथ की मंगल आरती संपन्न हुई।

**कल का कार्यक्रम**-कल दोपहर 2 बजे मुनि श्री द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन चरित्र पर विशेष प्रवचन होगा। श्रद्धालुओं से समय पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

## हिंदू पर्व समन्वय समिति गुरुदेव की आगवानी में हुआ शामिल

आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित पूज्य मुनि श्री 108 समता सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश सतना में हुआ पूज्य गुरुदेव की आगवानी में हिंदू पर्व समन्वय समिति के सदस्य भी शामिल हुए समिति के वरिष्ठ सदस्य उत्तम बनर्जी रामौतार चमड़िया रमेश जैन हेमचंद्र जायसवाल हरिओम गुप्ता विनोद पंडित सहित अनेक सदस्यों ने सर्किट हाउस चौक पर गूरुदेव का भव्य स्वागत कर गूरुदेव का आशीर्वाद लिया।

## संक्षिप्त समाचार

### नृत्य राघव मंदिर में आज राम जन्मोत्सव व भंडारा

रीवा। 27 मार्च को खन्ना चौराहा स्थित श्री नृत्य राघव मंदिर में 19 मार्च से चल रहे नवान्हपारायण पाठ के समापन एवं राम जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। राम जन्मोत्सव के उपरांत आरती प्रसाद एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है।

### यात्री किराया पर समाजसेवियों ने उठायी आवाज

रीवा। यात्रियों की सुविधा के दृष्टिकोण से बसों में किराया सूची चस्पा होनी चाहिए ताकि मनमानी तरीके से बस मालिकों द्वारा अतिरिक्त किराया ना वसूला जा सके। इस संदर्भ में समाजसेवियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने संभागीय कमिश्नर रीवा बी. एस. जामोद से मुलाक़ात की और उक्त विषय विशेष पर कमिश्नर रीवा का ध्यान आकृष्ट किया। ज्ञापन में बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा अप्रैल 2021 में निर्धारित किराया सूची एक रुपया पच्चीस पैसे प्रति किलोमीटर की दर से लिए जाने का आदेश जारी हुआ था। दिसंबर 2021 तक उसका पालन ना होने के कारण क्षत्रपति शिवाजी सेना द्वारा जिला प्रशासन एवं आर.टी.ओ. से समर्पक करके पत्राचार किया गया, जिसमें आदेश के पालन की मांग की गयी! लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई कार्यवाही नहीं की गयी। कमिश्नर रीवा ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका पर चिंतन

# विश्वमांगल्य सभा का दो दिवसीय मातृ संस्कार समागम 29 को

रीवा, नगर संवाददाता।

महिलाओं में आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने,संस्कारवान एवं राष्ट्रनिष्ठ पीढ़ी का निर्माण,मातृत्व को युगानुकूल ,जागरूक एवं नेतृत्वशील बनाने के उद्देश्य को लेकर तैयार किया गया विश्वमांगल्य सभा एक राष्ट्रव्यापी महिला संगठन है जो 19 जनवरी 2010 को परम पूज्य आचार्य श्री जितेन्द्रनाथ महाराज की प्रेरणा से स्थापित हुआ, आज समाज में मातृशक्ति के जागरण एवं सशक्तिकरण हेतु निरंतर पूरे भारत में 32 प्रांतों में कार्यरत है। उक्त बातें 26 मार्च 26 को महाराजा होटल में आयोजित पत्रकारवार्ता दौरान मातृत्व शक्ति द्वारा कही गयी। पत्रकारों को बताया गया कि संगठन का मूल मंत्र संस्कार,सामर्थ्य, सदाचार और सेवा,इन चार स्तंभों पर आधारित है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए विश्वमांगल्य सभा, महाकौशल प्रांत द्वारा दो दिवसीय भव्य अधिवेशन मातृ संस्कार समागम का आयोजन किया जा रहा है। इस अधिवेशन में युगानुकूल मातृत्व, मातृ संगठन की आवश्यकता एवं परिणाम ऐसे विषयों पर मार्गदर्शन होगा। साथ ही अधिवेशन में सप्तमातृका सम्मान से भी समाज की सात माताओं को सम्मानित किया जाएगा। ज्ञान, शक्ति, सेवा, मातृ, कला, उद्यम, धर्म इन सात क्षेत्रों की माताओं को यह सम्मान दिया जाएगा।

### इन वक्ताओं की रहेगी विशेष उपस्थिति

मातृशक्ति द्वारा बताया गया कि इस अधिवेशन में समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका पर गंभीर चिंतन एवं मार्गदर्शन होगा। आयोजन 29 मार्च को माखनलाल चतुर्वेदी महाविद्यालय में सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा जो 5 बजे शाम तक चलेगा। आयोजन के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रघुराज किशोर तिवारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद होंगे। उदघाटन सत्र में श्रीमती प्रतिमा बागरी राज्य मंत्री मप्र सरकार एवं श्रीमती रीती पाठक विधायक सीधी रहेंगी। इसके साथ ही मुख्य वक्ता के रूप में सुश्री श्रुति देशपांडे अखिल भारतीय छात्र सभा प्रमुख विश्व मांगल्य सभा, सुश्री पूजा पाठक क्षेत्रीय संगठन मंत्री मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ विश्वमांगल्य सभा,डॉ. ज्योत्सना द्विवेदी विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग टीआरएस कॉलेज रीवा, पंडित विजय लक्ष्मी शुक्ला संवेदना प्रख्यात कथावाचिका सिंगरौली मौजूद रहेंगी। इसके अलावा इस अधिवेशन में महिला उद्यमी मनोग्या सिंह, आईडीए डायरेक्टर सुष्मिता जयपुरिया, डॉ बीजी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहेंगी। पत्रकारवार्ता में पूजा पाठक संगठन मंत्री मप्र,छग.,चेतना मिश्रा रीवा जिलाध्यक्ष प्रांत सम्पर्क प्रमुख ,डॉ.प्रवीण सरदेन्दु तिवारी अध्यक्ष महाकौशल प्रांत ,क्षमा तिवारी सचिव जिला रीवा ,मयूरी सिंह सदस्य,प्रज्ञा त्रिपाठी सहित अन्य मातृशक्ति मौजूद रहीं।

### अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य

पत्रकारों को बताया गया कि मातृ संस्कार समागम कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृत्व को युगानुकूल, जागरूक एवं नेतृत्वशील बनाना,परिवार संस्था को सुदृढ़ करना, संस्कारवान एवं राष्ट्रनिष्ठ पीढ़ी का निर्माण, महिलाओं में आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। पत्रकारों को बताया गया कि यह संगठन भारत के 32 प्रांतों एवं 13 देशों में सक्रिय ,समाज के हर वर्ग तक पहुंच,बालसभा, छात्र सभा, सेवा, धर्म-संस्कृति विभाग, जनजातीय कल्याण स्वनाथ परिषद के माध्यम से व्यापक कार्य लगा है।

# जीडीसी के इतिहास विभाग में व्याख्यान विमर्श का आयोजन

### भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमुख पात्रों पर प्रो.शिव कुमार ने डाला प्रकाश

रीवा, नगर संवाददाता।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा के इतिहास विभाग द्वारा 25 मार्च 26 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान विमर्श के मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता इग्नू नई दिल्ली के प्रो. शिव कुमार मिश्र रहे। श्री मिश्र ने भारतीय ज्ञान परम्परा इतिहास एवं संस्कृति के सन्दर्भ में अपना विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को भारतीय ज्ञान परम्परा, नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्म तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के बारे में विस्तार से बताया। आपने देश की समृद्ध सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और दार्शनिक विरासत से छात्राओं को अवगत कराया। आपने भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमुख पात्रों में से आर्यभट्ट, सुश्रुत, कणाद, वराहमिहिर, नागभट्ट स्वं पाणिनी जैसी विभूतियों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्याल की प्राचार्य डी. मेजर विभा श्रीवास्तव ने भारतीय ज्ञान परमारा का दैनिक जीवन में महत्व के बारे में छात्राओं को समझाया। कार्यक्रम में विषय का संयोजन, प्रवर्तन एवं संचालन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.महेन्द्र मणि द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुलभा सिंह सेंगर, डॉ. करुणा शंकर मिश्र, इतिहास विभाग से जितेन्द्र मोहन श्रीवास्तव, दीपक भारतीय, संगीता साकेत, डॉ. विपिन विश्वकर्मा, डॉ. अरुण पटेल एवं डॉ. प्रशांत चौरसिया तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

# अग्रवाल समाज ने रामनाम लेखन करने वालों का किया सम्मान

रीवा, नगर संवाददाता।

26 मार्च चैत्र नवरात्र के पर्व पर भक्ति और आस्था में समाज के सभी लोग डूबे रहे। नगर के प्रसिद्ध काँच से निर्मित महालक्ष्मी मंदिर अग्रवाल समाज भवन फ़ोर्ट रोड़ में माता जी को महिलाओं ने पारम्परिक विधि विधान के साथ चुनर ओढ़ाकर पूजा अर्चना की गई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के सर्वाधिक रामनाम महामंत्र लेखन करने वाले भक्तों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अग्रवाल समाज रीवा के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल एड.ने जानकारी देते हुए बताया कि महटी रीवा निवासी राजेश पाण्डेय ने सर्वाधिक 34,44,480 रामनाम लिखकर प्रथम स्थान अर्जित किया। द्वितीय स्थान में गोयल मार्केट निवासी सुमन अग्रवाल 13,29,120, पद्मधर कॉलोनी ओमप्रकाश गुप्ता 11,16,960, विजय कुमार गुप्ता 7,73,760,आर.जी. अग्रवाल 7,55,040 ने प्रथम पाँच सर्वाधिक लोगों में स्थान अर्जित किया साथ अन्य भक्तों ने उल्लेखनीय संख्या में रामनाम लेखन किया एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर समाज की अधिकांश महिलाओं ने भी 2026-27 में सर्वाधिक रामनाम लेखन करने का संकल्प लिया। मंदिर समिति द्वारा भक्तों के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में मुख्य मंत्री नूतन अग्रवाल एड., शेखर अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल पप्पू, मनोज अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, सुरेश विश्नोई, दीपक गुप्ता एड.,महेश अग्रवाल, शारदा प्रसाद अग्रवाल, आयुष अग्रवाल कान्हा, संजय अग्रवाल, रमेश अग्रवाल जयंती अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल आदि भक्तगण रहे।

# अधिवक्ताओं की महापौर से फरियाद

रीवा, नगर संवाददाता।

नवीन जिला एवं सत्र न्यायायल मे उद्घाटन के उपरांत कार्यरत अधिवक्ता और आने वाले पक्षकारों की अनवरत विकारल पेयजल संकट और धीरे धीरे बढ़ रही गर्मी की प्रचंडता को धन्य रख आज अधिवक्ताओ का प्रतिनिधि मंडल नगर निगम आकर महापौर कक्ष में महापौर अजय मिश्रा और निगम आयुक्त श्री सोनवाड़े से मुलाक़ात कर अपनी वेदना से अवगत कराया जिसमे महापौर और आयुक्त ने सयुंक्त रूप से आश्वासन दिया की पंद्रह दिन के अंदर नवीन न्यायलय परिसर मे अधिवक्ता साथियो और आने वाले पक्षकारों के पेयजल हेतु शुद्ध शीतल ठन्डे पानी की ब्यवस्था हेतु वाटर एटीएम टैंक लगा 4000 लीटर पानी प्रदाय कराने की सुबिधा प्रदान की जाएगी साथ हीं आगामी माह मे अमृत योजना अंतर्गत बिछाई जा रही पेयजल पाइप लाइन न्यायालय परिसर मे बिछा भवन की टकियों को भरने और पानी की समस्या का परमानेंट निदान कराने का प्रयास भी किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल मे मुख्यरूप से अमृत लाल मिश्रा प्रभाकर पाण्डेय रफीक मनिहार अनिल पाण्डेय आफताब आलम शिवकुमार शास्त्री राजकिशोर चतुरवेदी भूपेंद्र सिंह अनिल मिश्रा गोकारण मिश्रा घनश्याम शर्मा रामरूचि तिवारी प्रशांत पाण्डेय सहित सैकड़ो अधिवक्ता ज्ञापन देने मे शामिल रहें।

# श्री राम जानकी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ सभा का आयोजन

### देशभर के सोमवंशी क्षत्रियों ने की शिरकत

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के डगरडुआ गढ़ तहसील मनगवां में नव निर्मित श्री राम जानकी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं विशाल सभा भव्य रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के सवायपुर जिला हरदोई विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर माधवेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर के.पी. सिंह, आनंद लाल सेखानी एवं उद्योगपति निधि सेखानी (सूरत) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंदिर में स्थापित मूर्तियों का दान विनोद बछावत एवं कुसुम बछावत (देहरादून) द्वारा किया गया। आयोजन सोमवंशी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नव निर्मित श्री राम दरबार मंदिर में विधिवत मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह के नेतृत्व में रीवा महाराजा होटल से चार पहिया वाहनों के काफिले के साथ हजारों लोग सुबह 11 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उनके साथ भाजपा पदाधिकारी, वरिष्ठ नागरिक एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे।

### सामाजिक एकजुटता, शिक्षा और कुप्रथाओं के त्याग पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकजुटता, शिक्षा, सदाचार, कुप्रथाओं के त्याग एवं मृत्यु भोज पर प्रतिबंध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। अंत में वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया तथा श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अनुराग सिंह तोमर, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, राजपाल सिंह, गोविंद सिंह, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. अमृता सिंह, भाजपा जिला मंत्री बाबूलाल यादव, मंडल अध्यक्ष एड. अनंत कुमार गुप्ता, राजेश कुमार गुप्ता, अरुण सिंह, अनिल सिंह, सौरभ सिंह, इंद्रेश मिश्रा, रामायण प्रसाद अग्निहोत्री, शिवेंद्र सिंह, एड. कुंवर बहादुर सिंह, अभिषेक सिंह, भूपेंद्र प्रताप सिंह, राजबहोर कुशवाहा, दिवाकर सिंह, विनय जायसवाल, संजय जायसवाल, जगन्नाथ पटेल, विजय विश्वकर्मा, शंकर दयाल गुप्ता, धनपत लाल गुप्ता, लक्ष्मीकांत शुक्ला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरुण सिंह के द्वारा किया गया।

# घर-घर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना प्रशासनिक जवाबदेही: अजय खरे

रीवा, नगर संवाददाता।

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि बुकिंग के आधार ईंधन गैस सिलेंडरों की घर घर आपूर्ति व्यवस्था ठप किए जाने के सवाल पर जिला प्रशासन यदि ईंधन गैस सिलेंडर प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करता तो गैस सिलेंडर गोदामों में अनावश्यक भीड़ की समस्या से शीघ्र ही छुटकारा मिल जाता। श्री खरे ने कहा कि गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल के लिए मारा-मारी की अप्रिय स्थिति निर्मित होना अच्छी बात नहीं है। लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि अभी भी आम आदमी को गैस सिलेंडर लेने के लिए काफी भाग दौड़ करनी पड़ रही है। इधर देखने को यह मिला कि गैस सिलेंडर की घर-घर आपूर्ति करने की जगह प्रशासन के द्वारा सिलेंडर गोदामों पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस भेजकर लाइन लगवाना शुरू करवा दिया। इस बात से जनसाधारण में यह संदेश गया कि लोगों को गोदाम में ही सिलेंडर मिलेगा और फिर बड़ी संख्या में भरा गैस सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ोतरी हुई और लोगों की परेशानी बढ़ी। श्री खरे ने कहा कि गोदाम से सिलेंडर लेने कै बावजूद आम उपभोक्ताओं से अनावश्यक रूप से होम डिलीवरी चार्ज बसूला जाना सरासर गलत है। अव्यवस्था का गलत लाभ कालाबाजारी करने वालों ने उठाया। लोगों ने मजबूरी में अधिक दाम देने के बाद भी भरा गैस सिलेंडर मिल जाने पर राहत महसूस की। श्री खरे ने कहा कि इसी तरह तमाम पेट्रोल पम्प केन्द्रों में गुरुवार 25 मार्च को बड़ी संख्या में डीजल पेट्रोल लेने के लिए मोटर वाहनों की भीड़ हो जाने से अराजक माहौल निर्मित हो गया।

अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुँचा रीवा,दीपांशी एवं दीप्ति का सराहनीय प्रदर्शन

# सतना को 63 रनों से पराजित कर रीवा ने दर्ज की दूसरी जीत

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व मे खेली जा रही अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता (महिलाअंडर-18) के अंतर्गत अवधेशप्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम मे खेल गये मैच में मेजबान रीवा की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये सतना को 63 रनों से पराजित कर लगातार दूसरी जीत हासिल की व अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव अनुराग सेठी के द्वारा बताया गया कि टास रीवा की टीम ने जीता व पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रीवा ने निर्धारित 40 ओवरों में 8 विकेट खोकर 204 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया। रीवा की ओर से दीपांशी शुक्ला ने 65 रन एवं दीप्ति सिंह ने 62 रनों की जोरदार पारियाँ खेली। सतना की ओर से खुशी गर्ग ने 3 विकेट लिये जबकि साक्षी त्रिपाठी को 2 विकेट हासिल हुये। रीवा के गेंदबाजों की कसी हुयी गेंदबाजी के सामने सतना 40 ओवरों में सतना 8 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। सतना की ओर से साक्षी त्रिपाठी ने 38 रन, अंशिका सिंह ने 36 रन बनाये। रीवा की ओर से नपी-तुली गेंदबाजी करतें हुये ऊर्वी पाण्डेय ने 3 विकेट हासिल किये। इस प्रकार रीवा ने पहले दोनो राउंड के मैचों में जीत दर्ज कर पहला स्थान काबिज किया है।

### मैहर ने सीधी को दी 5 विकेटों से करारी शिकस्त

#### अंशिका एवं भावाक्षी की शानदार बल्लेबाजी

वही एमपीसीए क्रिकेट मैदान रीवा में मैहर एवं सीधी के बीच खेले गये अन्य मुकाबले में मैहर की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये सीधी को 5 विकेट से पराजित कर अपनी पहली जीत दर्ज की व अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। इस मैच में टास जीत कर सीधी ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया,सीधी की दोनो श्रेष्ठ बल्लेबाजों प्रियांशी मालवीय एवं भावाक्षी चौहान ने आज भी सराहनीय खेल दिखाया पर प्रियांशी के 22 के स्कोर पर आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गयी,भावाक्षी ने पूरी ईमानदारी खेल खेला, लेकिन बाकी खिलाड़ी टिक नही पाये जिसके कारण 35 वे ओवर में 179 रन बनाकर आउट हो गयी। भावाक्षी चौहान शानदार 74 रनों की पारी खेली। मैहर की ओर से वीर राठी ने सधी हुयी गेंदबाजी करते हुये 3 विकेट लिये जबकि मुस्कान वर्मा एवं अवनी टटेर को 2-2 विकेट मिले। जीत के लिये मिले 180 रनों के लक्ष्य के सामन मैहर की श्रेष्ठ खिलाड़ी अंशिका पाण्डेय ने जोरदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया व मात्र 75 गेंदों में 16 चौकों की मदद से 87 रन बनाते हुये मैहर की जीत सुनिश्चित कर दी। अंशिका के सराहनीय खेल के कारण मैहर ने जीत के लिये जरूरी रन 27 वें ओवर में ही मात्र 5 विकेट खोकर बना लिये व 5 विकेट से जीतदर्ज की।

# श्री झूलेलाल छठी महोत्सव में उमड़ा सिंधी समाज

### पंडित कोमल की त्यौहार पत्रिका का हुआ विमोचन

रीवा, नगर संवाददाता।

श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति जानकी पार्क रीवा के छठी महोत्सव कार्यक्रम में सिंधी समाज की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम में महिलाएं बच्चे एवं बुजुर्ग देर रात तक शामिल होने आते रहे और श्री झूलेलाल जी के छठी महोत्सव में आयोजित कार्यक्रमों का आनंद लेकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर एक दूसरे को बधाइयां देते रहे। सिंधु भवन में आयोजित श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ के इस कार्यक्रम को शाम 7 बजे से शुरू कर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्याऊ समिति की महिला टीम ने पंडित कोमल शर्मा के नेतृत्व में बच्चों के डांस नृत्य फैंसी ड्रेस एवं एक प्रस्तुति कार्यक्रम का रोचक तरीके से प्रस्तुतीकरण किया।

कार्यक्रम का संचालन महिला समाजसेवी सुश्री कविता कोटवानी ने किया,जिनका साथ पायल मोटवानी,नेहा झमवानी, आरती लखवानी ने दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में महाआरती का आकर्षक कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसका संचालन पंडित कमल शर्मा एवं पचमठ धाम धाम के पंडितों द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरदार प्रहलाद सिंह, कन्हैया लाल मंगलानी, शंकर साहनी, कैलाश कोटवानी, अशोक रोहड़ा, राजकुमार टीलवानी,विजय थावानी, कैलाश आहूजा खट्टू,श्री झूलेलाल कृपा समिति के सदस्य अशोक भाई, हरीश पंजवानी, चन्द्र लाल जेठवानी, राजेश सोनेता, शोभ राज वाधवानी, कैलाश लखवानी, कमल दौलतानी, प्रेम चेलानी, घनश्याम हंसवानी, राजेश चांदवानी, किशोर पुरस्वानी शामिल रहे। संरक्षक कैलाश आहूजा ने उपस्थित पचमठा धाम के पंडितों पंडित कोमल शर्मा को भाई कृपाल दास, भाई स्वरूप दास को शाल, पखर पहनाकर अभिनंदन स्वागत सत्कार किया। कार्यक्रम के अंत में पंडित कोमल शर्मा ने सिंधी समाज के लिए नए संवत वर्ष की त्यौहार पत्रिका का विमोचन किया।

# कृषि महाविद्यालय में राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

रीवा, नगर संवाददाता।

कृषि महाविद्यालय रीवा में विकसित भारत 2047 के लिए विज्ञान और कृषि के नवाचार पर 28 से 29 मार्च 2026 को एक राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा.प्रदीप मिश्रा ने बताया कि राज्य के अंदर स्थित कृषि संस्थान और देश के अन्य राज्यों में स्थित कृषि संस्थानों से प्राध्यापक एवं वैज्ञानिकों द्वारा भाग लिया जाएगा अभी तक लगभग 150 अनुसंधान सारांश वैज्ञानिकों द्वारा देश के विभिन्न भागों में स्थित संस्थानों द्वारा प्राप्त हो चुका है।

संपादकीय

## क्यों पराश्रित है भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान युद्ध के दौरान पहली बार अपने 13 वरिष्ठ मंत्रियों के साथ विमर्श किया और हालात की समीक्षा की। सरकार देशभर में पेट्रोल-डीजल, गैस, उर्वरक के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति और उपलब्धता को लेकर चिंतित है और प्रयास भी कर रही है। यह स्वागतयोग्य आचरण है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों-सचिवों के समूह बनाने का निर्देश दिया है, ताकि हर स्तर पर समन्वय बरकरार रहे और आम आदमी को न्यूनतम परेशानियां झेलनी पड़ें। आयात और निर्यात के वैकल्पिक स्रोत खंगालने पर भी चर्चा हुई, क्योंकि युद्ध के बाद भी खाड़ी देश, भारत के लिए, अनिश्चित और अस्थिर रहेंगे। खतरे भी बने रहेंगे, लिहाजा वैकल्पिक सप्लाई चेन ही अंतिम रास्ता है। अब भारत ने ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, अल्जीरिया, नीदरलैंड, नॉर्वे आदि देशों के विकल्प स्थापित करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान, इजरायल, मलेशिया, जॉर्डन, ओमान, कतर, कुवैत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के राष्ट्राध्यक्षों, शासनाध्यक्षों, किंग, अमीर आदि से फोन पर संवाद किए हैं। जाहिर है कि प्रधानमंत्री ने अपनी चिंताएं और सरोकार साझा किए हैं और बार-बार शांति, स्थिरता, कूटनीति की पैरोकारी की है। फ्रांस, जर्मनी, फिनलैंड, स्पेन, स्विट्जरलैंड सरीखे देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार-प्रमुखों ने प्रधानमंत्री मोदी से लगातार आग्रह भी किया है कि युद्धग्रस्त देशों के दरमियान भारत सफल मध्यस्थता कर सकता है, क्योंकि अमरीका, इजरायल, ईरान भारत के मित्र-देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है और एक सार्थक लोकतंत्र भी है, लिहाजा भारत की भूमिका सर्वस्वीकार्य है। भारत ब्रिक्स देशों का भी अध्यक्ष है, उस नाते उन देशों को युद्धविराम में महती भूमिका निभाने को भी सहमत कर सकता है।

यकीनन प्रधानमंत्री मोदी को इस संदर्भ में प्रयास जरूर करने चाहिए। बहरहाल प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने तमाम विकल्पों पर विमर्श किया होगा। लेकिन सख्त सवाल यह है, कि 147 करोड़ से अधिक आबादी वाला देश, आजादी और संप्रभुता के 78 साल के बाद भी, कच्चे तेल, गैस, उर्वरक के मामले में आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया है? पिद्दी से देशों में तेल-गैस के अपरिमित भंडार हैं, क्या भारत में तेल-गैस के मद्देनजर 'सूखे' की स्थिति है? पेट्रोलियम मंत्रालय लगातार खुलासा कर रहा है कि रसोई गैस के उत्पादन में 40 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। अपनी जरूरतों की 40 फीसदी एलपीजी का उत्पादन भारत करता ही है। यदि एलपीजी उत्पादन में, 20-22 दिन में ही, इतनी बढ़ोतरी की जा सकती है, तो हम अपनी जरूरतों की 70-80 फीसदी गैस तक पैदा कर सकते हैं! सरकार इस पर स्पष्टीकरण जरूर दे। जब 2014 में भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ हुई थी, तब उसने अपने घोषणा-पत्र में लिखा था कि ऊर्जा-सुरक्षा और उत्पादन में व्यापक सुधार किए जाएंगे। आज स्थिति यह है कि भारत को करीब 88.6 फीसदी कच्चा तेल, 60-66 फीसदी गैस और करीब 65 फीसदी खाद आयात करने पड़ते हैं। स्थिति पहले से बदतर ही हुई है। भारत इतना पराश्रित, मोहताज क्यों है कि युद्ध के कारण एक समुद्री मार्ग बंद किया गया, तो देश में गैस को लेकर 'हाय-तौबा' मच गई? बेशक देश में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी का गंभीर संकट है। सरकार भी मानती है कि स्थिति चिंताजनक है। एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी हमारे संस्कार में है। हम इसे व्यापार का ही हिस्सा मानते रहे हैं। जितने गैस सिलेंडर छापों के दौरान जब्त किए गए हैं, उन 'काली भेड़ों' के खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई की गई है? उन पर 'रासुका' क्यों नहीं लगाया गया?

# मर्यादा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन-दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व-राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढ़कर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान-इजरायल एवं यूक्रे-रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चैन से जी सके।

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है-राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वतः समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, मध्य-पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध-इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है-पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है।

श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज रामराज्य के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं।

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान-ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है।

श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वतः शक्तिशाली होगा। आज राष्ट्र शक्ति का अर्थ केवल सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति माना जाता है, जबकि श्रीराम का जीवन बताता है कि नैतिक शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। रावण के पास अधिक सेना, अधिक धन, अधिक विद्या और अधिक शक्ति थी, फिर भी उसकी हार हुई क्योंकि उसके पास नैतिक शक्ति नहीं थी। यह आज के विश्व के लिये बहुत बड़ा संदेश है। आज जब दुनिया अस्तित्व के संकट, पर्यावरण संकट, युद्ध संकट और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब श्रीराम का जीवन मानवता को संतुलन का संदेश देता है-शक्ति और शांति का संतुलन, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन, भोग और त्याग का संतुलन, राज्य और समाज का संतुलन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन का संतुलन। यही संतुलन ही मानव सभ्यता को बचा सकता है। रामनवमी का पर्व हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता, बल्कि श्रीराम के जीवन को अपने जीवन, समाज और राष्ट्र की नीति में उतारने का संदेश देता है। यदि विश्व राजनीति श्रीराम की युद्ध नीति से प्रेरणा ले, यदि लोकतंत्र श्रीराम के सुशासन से प्रेरणा ले, यदि परिवार श्रीराम के पारिवारिक मूल्यों से प्रेरणा ले और यदि समाज श्रीराम की समरसता की भावना से प्रेरणा ले, तो एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल मंदिर बनाएं, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर राम का निर्माण करें। जब व्यक्ति के भीतर राम का जन्म होगा, तभी समाज में रामराज्य आएगा। राम केवल इतिहास नहीं हैं, राम केवल आस्था नहीं हैं, राम मानव सभ्यता के नैतिक भविष्य का नाम हैं। यही रामनवमी का वास्तविक संदेश है।

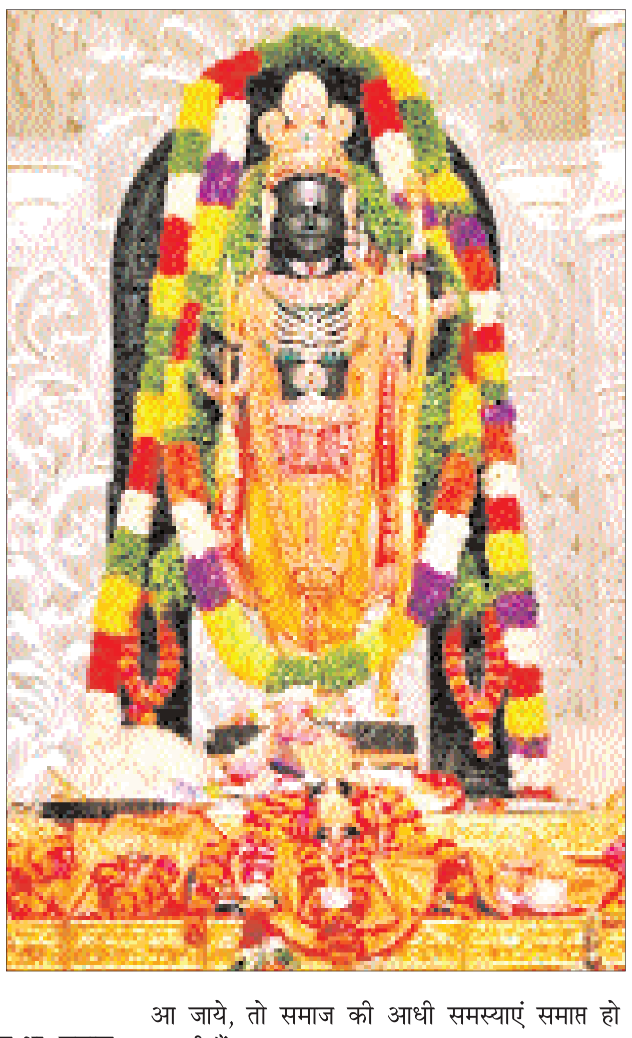

# दलदल में ट्रम्प

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत ने हमेशा युद्ध संकट का समाधान संवाद और कूटनीति से करने का समर्थन किया है। भारत ने हमेशा समूचे विश्व को शांति का संदेश देते हुए बार-बार कहा है कि यह समय युद्ध का नहीं, भगवान बुद्ध के दिखाए मार्ग का अनुसरण करने का है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथशांतिवार्ता की पहल करने और 5 दिन की युद्ध विराम की घोषणा करने के तुरन्त बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन घुमाया और पश्चिम एशिया संघर्ष और होर्मुज को लेकर चर्चा की। ट्रम्प की इस पहल से स्पष्ट है कि वे पश्चिम एशिया के संकट को सुलझाने के लिए भारत को एक विश्वसनीय मित्र के रूप में देख रहे हैं। शायद ट्रम्प को इस बात का अहसास है कि ईरान के साथ युद्ध विराम को सफल बनाना है और तेल की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रखनी है तो भारत की भूमिका सबसे अहम है। ट्रम्प के शांति संकेत देते ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत की थी। उसके बाद ट्रम्प की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत हुई। इस कूटनीतिक टाइमिंग के पीछे भारत ने बहुत ही सतर्कता और सूझबूझ से काम लिया। जब अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों और बुनियादी ढांचों को तबाह करने पर आमादा था तब भारत ने वाशिंगटन के सुर में सुर मिलाने से परहेज किया। इसका सीधा कारण यह है कि ईरान के साथ भारत के गहरे ऐतिहासिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं। भारत ईरान के चाबहार पोर्ट का संचालन कर रहा है, जो मध्य एशिया तक पहुंचने के लिए भारत का 'गेटवे' है। इसके अलावा, खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। यदि भारत युद्ध के चरम पर अमेरिका का खुला समर्थन करता तो क्षेत्र में उसके अपने हित खतरे में पड़ जाते। नई दिल्ली शुरू से ही कूटनीति और संवाद के जरिए तनाव कम करने का पक्षधर रहा है, न कि बमबारी का। इसलिए जब तक युद्ध के बादल सबसे ज्यादा घने थे, भारत ने पेंटागन की युद्ध नीतियों से खुद को अलग रखा।

डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने अमेरिका कोएक बहुत बड़ा तोहफा दिया है। यद्यपि उन्होंने विस्तार से बताने से साफ इंकार किया लेकिन ऐसे संकेत हैं कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा हुआ है। उनके इस बयान के बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या अमेरिका और ईरान के बीच कोई सीक्रेट डील हुई है। आखिर यह तोहफा है क्या जिसने अमेरिका को जंग रोकने की दिशा में इतना बड़ा कदम उठाने को मजबूर कर दिया है। युद्ध के दौरान कई तरह की बयानबाजी की जाती है, जिन पर भरोसा करना मुश्किल होता है। अब सवाल यह है कि क्या पर्दे के पीछे ईरान और अमेरिका में कोई बातचीत चल रही है। यह भी वास्तविकता है कि ट्रम्प युद्ध के दलदल में बुरी तरह से फंस चुके हैं और वह निकलने के रास्ते तलाश रहे हैं। इस युद्ध में अमेरिका को रोजाना 1.38 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं और 25 दिन की जंग में अमेरिका लगभग 20 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। पैंटागन ने 200 अरब डॉलर से अधिक की राशि और मांगी है। इसे अमेरिकी कांग्रेस यानि संसद से पारित कराना होगा, जिसके पारित होने की उम्मीद कम है। यद्यपि ट्रम्प ने नाटो और यूरोपीय देशों को कायर और कागजी शेर कहा। इसके बावजूद नाटो और सहयोगी देशउनके साथ नहीं आए। किसी ने युद्धपोत नहीं भेजे। कतर में एलएनजी सप्लाई बंद होने से यूरोप में गैस की कीमतें 35 प्रतिशत बढ़ गईं। जापान तक को अपना रणनीतिक भंडार निकालना पड़ा। 9 देशों में 40 ऊर्जा भंडार युद्ध से प्रभावित हुए हैं। वैश्विक तेल आपूर्ति रोजाना 11 मिलियन बैरल घटी है। 66 प्रतिशत अमेरिकी इस युद्ध के खिलाफ हैं और ट्रम्प की लोकप्रियता घटी है।

ट्रम्प का यूटर्न इस बात का संकेत है कि वह युद्ध रोकने के पक्षधर हैं लेकिन इजराइल बेलगाम गुंडे की तरह व्यवहार कर रहा है। ईरान और लेबनान पर लगातार हमले कर रहा है और ईरान भी अपनी मिसाइलों से तेल अवीव से लेकर यरुशलम तक तबाही मचा रहा है। ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर लगातार हमले कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। ईरान ट्रम्प के बातचीत के दावों को पूरी तरह से नकार रहा है लेकिन ईरान के राष्ट्रपति द्वारा रखी गई शर्तों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कूटनीतिक गलियारों से छन-छन कर जो खबरें आ रही हैं उनके अनुसार ईरान ने भविष्य में आक्रामकता के खिलाफ गारंटी, बुनियादी ढांचे को हुए नुक्सान की भरपाई और ईरान के वैध अधिकारों की मान्यता शामिल है। ट्रम्प प्रशासन ने ईरान के तेल पर लगे प्रतिबंधों में एक महीने की ढील दी है। जबकि ईरान का कहना है कि उसके पास अतिरिक्त तेल है ही नहीं तोढील का कोई मतलब ही नहीं है। यद्यपि तुर्की और मिस्र ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं लेकिन मध्यस्थता के खेल में पाकिस्तान का शामिल होना काफी अखरता है। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर उछल-उछलकर बातें कर रहे हैं। आठ-आठ युद्धों को रुकवाने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रम्प खुद मध्यस्थ की तलाश में जुटे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभाने की बात कही है। ईरान के खिलाफएक लम्बे और महंगे युद्ध का खतरा, तेल की कीमतों में तेज उछाल, गैस संकट और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगियों के दबाव के कारण ट्रम्प अब स्वयं कायर दादा के तौर पर छवि बना चुके हैं। किसी भी राजनयिक प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए ट्रम्प को पहले अपने सहयोगी इजराइल पर लगाम लगानी होगी। इजराइल द्वारा अपनाया गया सैन्य मार्ग स्पष्ट रूप से अपनी सीमाएं दिखा रहा है। ट्रम्प के लिए सबसे कम नुक्सानदेह रास्ता ईरान के साथ संवाद कायम कर युद्ध से बाहर निकलना ही दिखाई देता है। उम्मीद कायम है कि कूटनीति के द्वार खुलेंगे और पश्चिम एशिया में शांति का माहौल कायम होगा। आने वाले दिनों में भारत भी शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देखना होगा बातचीत किस दिशा में जाती है।

# नैरेटिव बनाम राष्ट्र-निर्माण

पवन शर्मा

आज के भारत में ताकत का नैरेटिव जितना ऊँचा होता जा रहा है, दिशा की स्पष्टता उतनी ही कमजोर पड़ती दिख रही है। भारत का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य महत्वाकांक्षा की कमी से नहीं, बल्कि दिशा की कमी से परिभाषित होता दिखता है। शक्ति, स्थिरता और वैश्विक उभार का नैरेटिव लगातार प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन इसके पीछे नीतियों की संरचना अक्सर बिखरी हुई, प्रतिक्रियात्मक और अत्यधिक केंद्रीकृत नजर आती है। यह अंतर सबसे अधिक विदेश नीति में दिखाई देता है। एक समय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जाना जाता था-विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाकर चलना उसकी पहचान थी। आज यह संतुलन कमजोर पड़ता दिखता है। बड़े देशों के साथ संबंधों में असंगत संकेत और पड़ोसी देशों के प्रति अस्थिर दृष्टिकोण, एक प्रकार की दिशा-हीनता को दर्शाते हैं। कूटनीति अब कई बार उच्च-प्रोफाइल बैठकों और व्यक्तिगत छवि तक सीमित होती दिखती है, जबकि दीर्घकालिक रणनीतिक मजबूती का कार्य पीछे छूटता प्रतीत होता है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी असंगति भारत की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती है।

घरेलू स्तर पर, निर्णय लेने की प्रक्रिया का केंद्रीकरण और स्पष्ट हुआ है। जिन संस्थाओं को लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दायित्व है, वे अपेक्षाकृत कमजोर नजर आने लगी हैं। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में बहस और असहमति का स्थान होना आवश्यक है, लेकिन आज असहमति को अक्सर बाधा और आलोचना को विरोध के रूप में देखा जाता है। यह प्रवृत्ति आत्मविश्वास का नहीं, बल्कि आलोचना के प्रति असहजता का संकेत है।

आर्थिक क्षेत्र में भी एक मिश्रित तस्वीर सामने आती है। बुनियादी ढांचे और डिजिटल विकास में प्रगति स्पष्ट है, लेकिन इसके समानांतर जमीनी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। युवाओं के लिए रोजगार सृजन एक बड़ी चिंता है। ग्रामीण संकट अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, और छोटे व्यवसाय नीति-परिवर्तनों तथा जटिल प्रक्रियाओं के दबाव में संघर्ष कर रहे हैं। बढ़ती महंगाई आम परिवारों की आर्थिक स्थिति को और कमजोर करती है। एक स्पष्ट और समावेशी आर्थिक दृष्टि का अभाव दीर्घकालिक स्थिरता पर सवाल खड़े करता है।

इन सभी पहलुओं को देखने पर एक पैटर्न उभरता है-ऐसा शासन जो प्रस्तुति में मजबूत है, लेकिन दिशा में असंतुलित। भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां अवसर और जोखिम दोनों समान रूप से मौजूद हैं। यह तय करेगा कि देश किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

मजबूत नेतृत्व केवल नियंत्रण का नाम नहीं है, बल्कि संतुलन का भी है। यह सुनने, सुधार करने और संस्थाओं को सशक्त बनाने की क्षमता में निहित होता है। किसी भी राष्ट्र का निर्माण केवल धारणा से नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और समावेशी विकास से होता है।

अंततः, शासन का मूल्यांकन उसके दावों से नहीं, बल्कि उसके परिणामों से होना चाहिए। भारत को ऊँची आवाज में किए गए दावों से अधिक, स्पष्ट दिशा, संतुलित नीतियाँ और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

**लेखक परिचय**- पवन शर्मा एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो सामुदायिक पहल और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य करते हैं।

# धर्म और जाति को लेकर आए सुप्रीम आदेश के राजनीतिक-सामाजिक मायने

**कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है।**

कमलेश पांडे

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा।

हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं।

इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।

जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है।

उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मो में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों।

तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा बनी हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायदेश मिलते रहते हैं।

**इंद्रा साहनी केस (1992) से इस फैसले का सम्बन्ध**- इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर स्ष्ट दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति-आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का सार- इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27त्न आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50त्न कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक-शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए।

हालिया फैसले से संबंध- 2026 के एससी/एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है। हालांकि, सीधा उल्लेख नहीं मिला, लेकिन सामान्य आरक्षण दर्शन समान है, जिसका सर्वकालिक महत्व जगजाहिर है।

विश्वविद्यालय प्रबंधन का सही फैसला

# आखिरी समय पर नहीं भरवाए परीक्षा फॉर्म इसलिए परीक्षा में नहीं हुई अव्यवस्था

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय प्रबंधन के एक फैसले की वजह से गुरुवार को शुरू हुई स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं में पहले दिन कोई अव्यवस्था नहीं हुई। विश्वविद्यालय प्रबंधन पर परीक्षा से एक दिन पहले परीक्षा फॉर्म भरवाए जाने के लिए दबाव डाला जा रहा था, इसके लिए कुलगुरु और कुलसचिव के बंगले का घेराव भी किया गया, लेकिन प्रबंधन अपने फैसले पर डटा रहा और इसकी वजह से परीक्षाएं व्यवस्थित शुरू हो पाईं। अगर प्रबंधन दबाव में आकर आखिरी समय पर परीक्षा फॉर्म भरवाता तो परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ती और परीक्षा केंद्रों पर अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो जाती, ऐसा पिछले सालों में कई बार हुआ है।

जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षा के लिए सूचना जनवरी माह में जारी कर दी थी, इसके साथ ही परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक भी खोल दी थी, इस तरह विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने के लिए लगभग दो माह का समय मिल गया। इसके बावजूद परीक्षा से दो दिन पहले एनएसयूआई के नेतृत्व में कुछ विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खुलवाने के लिए पहुंचे थे, इन्होंने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में हंगामा किया, इसके बाद कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य और कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा के बंगले पर छह-छह घंटे तक धरना दिया, हंगामा किया और नारेबाजी की। पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर धरना खत्म करवाया। इसके बाद भी विश्वविद्यालय प्रबंधन दवाब में नहीं आया और परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक नहीं खोली।

**आखिरी समय परीक्षा फॉर्म भरवाने से यह होती अव्यवस्था** : परीक्षा फॉर्म भरवाने के संबंध में कार्यपरिषद का भी निर्णय है कि परीक्षा से कुछ दिन पहले परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक नहीं खोली जा सकती है। अगर परीक्षा फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया के लिए दो दिन पहले लिंक खोल दी जाती तो

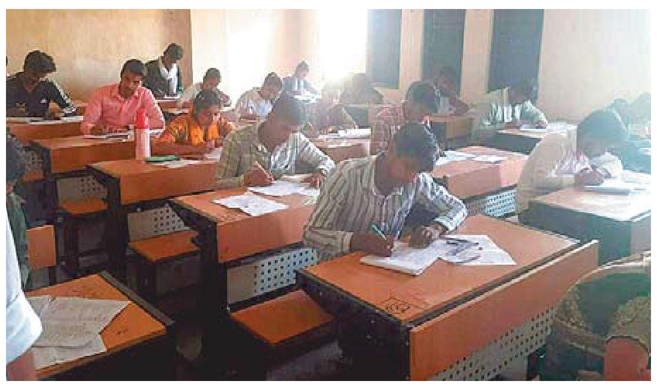

परीक्षा में अव्यवस्था होना तय थी।

▶▶ परीक्षा केंद्रों का निर्धारण हो चुका था, इनकी क्षमता भी तय थी। ऐसे में अंतिम समय में परीक्षार्थी बढ़ते तो निश्चित ही फर्नीचर और बैठक व्यवस्था की समस्या होती और विद्यार्थियों के लिए अंतिम समय पर किराए के फर्नीचर की व्यवस्था करना पड़ती यह भी अव्यवस्था की वजह होती।

▶▶ विश्वविद्यालय प्रबंधन उत्तरपुस्तिकाएं और प्रश्नपत्र भी परीक्षा केंद्रों पर भेज चुका था। अगर अंतिम समय में परीक्षा फॉर्म भरवाए जाते तो बढ़े हुए परीक्षार्थियों के लिए प्रश्नपत्र और उत्तरपुस्तिकाएं भेजना पड़तीं। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के पास ऐच्छिक प्रश्नपत्रों के विकल्प भी ज्यादा हैं, ऐसे में प्रश्न पत्र भेजने में गड़बड़ी हो सकती थी और इससे भी अव्यवस्था होती।

**अधिकारियों के परिवारों को नजरबंद कर दिया, यह तो ठीक नहीं** : परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खोले जाने का आंदोलन विश्वविद्यालय तक सीमित रहता तो किसी को आपत्ति नहीं होती, लेकिन प्रदर्शनकारी कुलगुरु और कुलसचिव के बंगलों के बाहर धरना देकर 5 घंटे से ज्यादा समय तक बैठे रहे, ऐसे में दोनों अधिकारियों के परिवार नजरबंद हो गए।

### पहले दिन परीक्षाएं व्यवस्थित हुईं, 15 नकलची पकड़े

अंचल के 8 जिलों में 50 से ज्यादा परीक्षा केंद्रों पर स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं गुरुवार को शुरू हो गईं। पहले दिन किसी भी परीक्षा केंद्र से अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। जीवाजी विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ उड़दनस्ते भी परीक्षा का निरीक्षण करने अलग-अलग जिलों में पहुंचे थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्थित ढंग से होती हुई मिली। उड़नदस्तों ने इंदरगढ़, कैलारस, सबलगढ़, पहाड़गढ़, विजयपुर से 15 परीक्षार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा। इनमें दो छात्राएं भी शामिल थीं। सबसे ज्यादा 8 नकलची इंदरगढ़ में मिले। इस बार अशासकीय महाविद्यालयों में परीक्षा केंद्र नहीं बनाए गए हैं, ऐसा नकल की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए किया गया है।

### इनका कहना है

स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षा शुरू हो गई है, पहले दिन परीक्षाएं व्यवस्थित रहीं। नकल की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए उड़नदस्ते लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

**डॉ. राजीव मिश्रा,**
**कुलसचिव,** जीवाजी विश्वविद्यालय

# मंशापूर्ण मंदिर क्षेत्र बना नशे का अड्डा, नाबालिगों तक पहुंच रहा जहर, पकड़े आरोपियों पर भी नहीं हुई कार्रवाई

**ग्वालियर। शहर के प्राचीन और आस्था का केंद्र मंशापूर्ण मंदिर के आसपास एक बार फिर नशे का नेटवर्क सक्रिय हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस जाल में नाबालिग बच्चे भी फंसते नजर आ रहे हैं। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर नशा करते और बेचते हुए पांच लोगों को रंगे हाथों पकड़ा, लेकिन आरोप है कि पड़ाव थाना पुलिस ने इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।**

सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष सोमेश महंत अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन, मंशापूर्ण मंदिर परिसर और रेलवे पुल की सीढ़ियों पर पहुंचे थे। यहां नाबालिग बच्चों को सुलोचन का नशा करते हुए देखा गया, वहीं कुछ लोग खुलेआम इसे बेच रहे थे। टीम को देखकर कई नशेड़ी भागने लगे, लेकिन पांच लोगों को पकड़ लिया गया। इनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल थी, जिसे बाद में उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

### सीडब्ल्यूसी का आरोप पुलिस कर रही खानापूर्ति पार्किंग मामले में सीसीटीवी फुटेज पर भी उठे सवाल

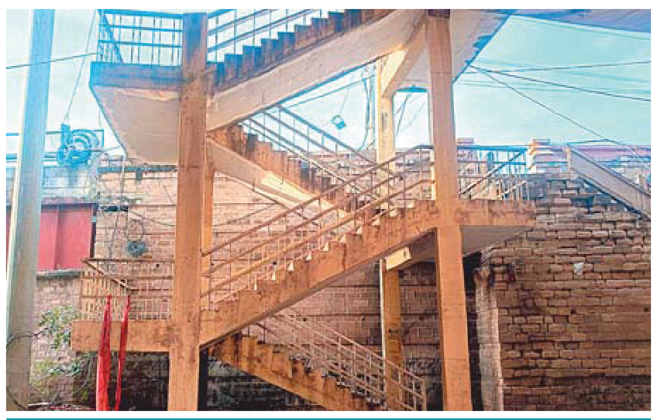

### पकड़े गए लोगों पर क्यों नहीं की कार्रवाई

सीडब्ल्यूसी का आरोप है कि पकड़े गए आरोपियों को पुलिस के हवाले करने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ है कि मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। समिति ने इसे केवल खानापूर्ति करार दिया है और चेतावनी दी है कि यदि जल्द सख्त कदम नहीं उठाए गए तो मामला उच्च स्तर तक ले जाया जाएगा।

### विशेष अभियान चलाने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

सोमेश महंत ने गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह को पत्र लिखकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मंशापूर्ण मंदिर जैसे धार्मिक स्थल के आसपास इस तरह का नशे का कारोबार होना बेहद शर्मनाक है। छोटे बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें नशे की लत में धकेला जा रहा है, जो समाज के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने मांग की है कि इस क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जाए, पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और कार्रवाई में महिला पुलिसकर्मी को भी शामिल किया जाए। साथ ही पड़ाव पुल के नीचे बने खंडहरनुमा मकानों में सघन जांच और छापेमारी की जरूरत बताई गई है, जहां से इस नेटवर्क के संचालन की आशंका है।

### रेलवे स्टेशन पार्किंग मामला भी संदेह के घेरे में

इसी बीच रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 की पार्किंग में नशे के कारोबार का मामला भी फिर चर्चा में है। 30 दिसंबर 2025 को यहां खड़ी एक कार से नशे की सामग्री पकड़ी गई थी। इस मामले में भी थाना प्रभारी की भूमिका पर सवाल उठे हैं और रेलवे पुलिस से जांच की मांग की गई है। सीडब्ल्यूसी ने इस मामले में दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक के सीसीटीवी फुटेज मांगे थे, लेकिन जीआरपी ने केवल शाम 5 से 7 बजे तक के फुटेज उपलब्ध कराए। जब बाकी समय के फुटेज के बारे में पूछा गया तो यह कह दिया गया कि डीवीआर में डेटा उपलब्ध नहीं है। इस जवाब ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। समिति अध्यक्ष ने पहले भी भोपाल रेल पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर शिकायत की थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब एक बार फिर स्मरण पत्र भेजकर मामले में लापरवाही का आरोप लगाया गया है और सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

### इनका कहना है

मंशापूर्ण मंदिर से लेकर रेलवे स्टेशन तक सिलोचन का नाबालिग बच्चे नशा कर रहे है। हमने पुलिस को ऐसे लोगों को पकड़कर सुपुर्द भी किया। लेकिन बिना कार्रवाई के इनको छोड़ा गया है। मैंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर विशेष अभियान चलाने की बात की है। स्टेशन वाले मामले में भी भोपाल रेल पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

**सोमेश महंत,** सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष

# लुटेरों का डर दिखाकर महिला के गहने उतरवा ले गए ठग

सीसीटीवी कैमरे मे नजर आए

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

उपनगर ग्वालियर में ठगों ने बाइक सवार दंपति को लुटेरों का भय दिखाकर गहने उतरवा लिए। घटना के बाद दंपति ने पुलिस ने शिकायत की, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में खंगाले तो एक सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को इनके फुटेज मिले हैं। घटना घासमंडी इलाके में कृष्ण पब्लिक स्कूल के पास की है। फरियादी महेंद्र कुमार अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी बाइक सवार दो ठग उनके पास पहुंचे। ठगों ने उन्हें लुटेरों का डर दिखाते हुए कहा कि आसपास बदमाश घूम रहे हैं जो महिलाओं के गहने लूट रहे हैं, इसलिए अपने जेवर उतारकर सुरक्षित रख लें। उन्होंने एक थैला दिया और कहा कि इसमें गहने रख लें, ताकि कोई लूट की घटना न हो। दंपति अपनी बातों मे आ गई और अपने गहने उतारकर उस थैले में रख दिए। ठगों ने चालाकी से थैला बदल दिया और कुछ ही क्षणों में मौके से फरार हो गए।

उनके जाने के बाद दंपति को शक हुआ और उन्होंने थैला खोलकर देखा तो उसमें रखे गहने गायब थे। ठगी का एहसास होते ही उन्होंने तुरंत किला गेट थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

**बाइक सवार बदमाश बात करते हुए दिखेः** पुलिस को पता चला तो मौके पर जाकर सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो ठग नजर आ गए। वीडियो में नजर आ रहा है कि दो युवा जिसने एक युवा ने हेलमेट पहन रखा है तो वही दूसरे ने सर पर टोपी लगा रखी है दोनों दंपति से बात करते हुए नजर आ रहे हैं।

# निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन सख्त, 10 संस्थानों को थमाए नोटिस

■ **सूचना पटल पर जानकारी न देने और नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई, 27 स्कूलों की हुई जांच**

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

निजी स्कूलों की मनमानी पर अब जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। अभिभावकों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधीश श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देश पर 27 निजी विद्यालयों की जांच कराई गई, जिसमें कई स्कूल नियमों का खुला उल्लंघन करते पाए गए। जांच में सामने आया कि कई विद्यालयों ने मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस एवं संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 और नियम 2020 के प्रावधानों का पालन नहीं किया। खासतौर पर स्कूलों द्वारा पुस्तक और यूनिफॉर्म विक्रेताओं की सूची न तो सूचना पटल पर लगाई गई और न ही वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई, जो कि नियमों का सीधा उल्लंघन है। जिला प्रशासन ने इस गंभीर लापरवाही पर कड़ा कदम उठाते हुए जी.डी. गोयनका स्कूल, भारतीयम विद्या निकेतन, मॉर्निंग स्टार स्कूल, प्रगति विद्यापीठ, किडीज कॉर्नर स्कूल, मानवेन्द्र ग्लोबल स्कूल, आदित्य वर्ल्ड स्कूल, नंबर-1 एयर फोर्स स्कूल, नारायण ई-टेक्नो स्कूल और जयपुरिया स्कूल को नोटिस जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि स्कूलों ने जल्द सुधार नहीं किया, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

# रविदास नगर में भीषण आग, पूरा घर जला

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के रामदास घाटी के पास स्थित रविदास नगर में गुरुवार को एक रिहायशी मकान में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा मकान उसकी चपेट में आ गया और घर का सारा सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, मकान मालिक मनीष जाटव के घर में पंखे में हुए शॉर्ट सर्किट के चलते आग भड़की। शुरुआती चिंगारी ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। अचानक उठती लपटों और धुएं को देखकर आसपास के लोग घबरा गए और घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और खुद भी आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। हालांकि आग इतनी भीषण थी कि शुरुआती प्रयास नाकाफी साबित हुए।

सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन सकरी गलियों ने राहत कार्य को चुनौतीपूर्ण बना दिया। गाड़ियों को मौके तक पहुंचाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे आग और फैल गई। करीब 2 घंटे के प्रयास के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक मकान में रखा पूरा गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो चुका था। घर के अंदर मौजूद फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और जरूरी दस्तावेज भी आग की भेंट चढ़ गए।

## वारदात करने घूम रहा बदमाश पकड़ा, देशी कट्टा मिला

**ग्वालियर।** जनकगंज थाना क्षेत्र के छत्री मंडी मैदान में वारदात करने की नीयत से घूम रहे बदमाश को जनकगंज पुलिस ने पकड़ा है। बदमाश की तलाशी ली तो उसके पास से 315 बोर का देशी कट्टा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पकड़ में आए बदमाश के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।जनकगंज थाने की पुलिस गश्त कर रही थी तभी रात में करीब 9 बजे उनके मुखबिर ने सूचना दी कि छत्री मंडी मैदान के पास एक युवक घूम रहा है जिसकी गतिविधियां संदिग्ध है। सूचना मिलते ही पुलिस छत्री मंडी मैदान पहुंची और संदिग्ध हालत में घूम रहे एक युवक को पकड़ लिया। पकड़ में आए युवक ने अपना नाम कमल सिंह राजपूत निवासी अशोक कॉलोनी जनकगंज बताया। कमल सिंह की तलाशी लेने पर उसके पास से देशी कट्टा मिला।

एमआईसी बैठक में बवाल

# सड़कों के अंधेरे से लेकर 2 करोड़ की फाइलों को लेकर हंगामा

■ **अधिकारियों को दो दिन का अल्टीमेटम**

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नगर निगम की मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) की गुरुवार को हुई बैठक तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप के बीच हंगामेदार रही। बैठक की शुरुआत से ही माहौल गर्म हो गया, जब महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने एजेंडा छोड़ सीधे शहर की बदहाल स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने साफ कहा कि सचिन तेंदुलकर मार्ग सहित कई प्रमुख सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है और अधिकारी बुनियादी व्यवस्था तक नहीं संभाल पा रहे हैं।

बैठक में उस समय और तीखापन आ गया जब एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव ने भाजपा पार्षदों के लिए दो-दो करोड़ रुपए की विकास फाइलें तैयार किए जाने का मुद्दा उठा दिया। उन्होंने कहा कि अगर एक पक्ष के लिए फाइलें बन रही हैं, तो दूसरे के लिए भी समान रूप से बननी चाहिए। इस पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने स्पष्ट किया कि ऐसी किसी भी राशि की फाइल उनके स्तर से स्वीकृत नहीं की गई है। हालांकि कौरव अपने आरोपों पर कायम रहे और उन्होंने कहा कि विभिन्न बैठकों में जनप्रतिनिधियों द्वारा इस तरह के संकेत दिए गए हैं।

उधर, बैठक शुरू होते ही एमआईसी सदस्य शकील खां मंसूरी ने क्षेत्राधिकारी तनुजा वर्मा को हटाने की मांग को लेकर बहिष्कार कर दिया। बाद में अन्य सदस्यों के समझाने पर वे बैठक में शामिल हुए, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि परिषद में पारित प्रस्ताव के बावजूद क्षेत्राधिकारी को नहीं हटाया गया। उन्होंने यहां तक कहा कि उनके वार्ड में काम रोक दिया गया है और कथित तौर पर उनसे माफी मांगने की शर्त रखी जा रही है।

### महापौर बोलीं- जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

इस आरोप पर महापौर का पारा चढ़ गया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद निगमायुक्त ने तत्काल क्षेत्राधिकारी से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने ऐसे किसी भी आरोप से इनकार किया। बावजूद इसके एमआईसी ने मामले को गंभीर मानते हुए क्षेत्राधिकारी को दो दिन के भीतर हटाने का अल्टीमेटम दे दिया।

### बैठक में इन बिंदुओं पर लिए निर्णय

▶▶ हंगामे के बीच एजेंडा के मुद्दों पर भी निर्णय लिए गए। बैठक में बजट वर्ष 2025-26 के विभिन्न मदों में राशि पुनर्विनियोजन को मंजूरी दी गई। साथ ही गोपाल मंदिर और राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्टेडियम परिसर के पुजारियों के कार्यकाल में तीन वर्ष की वृद्धि को स्वीकृति दी गई।

▶▶ शहर में अधोसंरचना विकास के तहत हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए क्रमशः 27.58 लाख और 37.11 लाख रुपए के प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

▶▶ एजेंडा से इतर लिए गए फैसलों में वार्ड 41 की प्रमुख सड़क का नाम स्व. विजयाराजे सिंधिया के नाम पर रखने का प्रस्ताव परिषद को भेजा गया। वहीं बताशे वाली गली का नाम बदलकर स्व. अरविंद केंगे के नाम पर करने की सहमति बनी। इसके अलावा विभिन्न विभागों के लिए वाहन किराए पर लेने के अधिकार महापौर को सौंपे गए।

गवाह के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज करने पर न्यायालय ने लगाई फटकार, दी जमानत

# क्या राज्य स्वयं ही प्रतिवादी और न्यायाधीश की भूमिका निभा सकता है?

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिला पुलिस द्वारा एक चर्चित मामले में फरियादी और गवाह के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने पर सख्त टिप्पणी करते हुए फटकार लगाई है। पुलिस कार्यप्रणाली पर यह टिप्पणी तक की है कि क्या राज्य स्वयं ही प्रतिवादी और न्यायाधीश की भूमिका निभा सकता है। दरअसल जेल में निरुद्ध रघुवीर सिंह रावत की ओर से षस्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार के न्यायालय में जमानत का आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जिसमें पुलिस ने बिना किसी जांच अथवा किसी न्यायालय के आदेश जिस मामले में रघुवीर सिंह रावत गवाह था उसी मामले में धाराओं में बढ़ोत्तरी कर उसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया। दो दिन चली सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने पुलिस कार्यप्रणाली पर जमकर सवाल खड़े करते हुए रावत के जमानत आवेदन को स्वीकार कर लिया।

यहां बता दें कि बन्हेरी गांव में सरपंच विक्रम रावत हत्याकांड के बाद 3 फरवरी को गोलीबारी में अजब सिंह घायल हो गया था। जिसकी सूचना नीतेश रावत ने दी। लेकिन बाद में पुलिस ने अपनी पड़ताल में इस घटना को फर्जी बताते हुए रघुवीर रावत एवं अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया। न्यायालय ने फरियादी पक्ष द्वारा रखे तर्कों के आधार पर पुलिस की प्रणाली को पूरी तरह संदिग्ध और झूठा मानते हुए गंभीर टिप्पणी की। न्यायालय में तमाम अभिभाषक भी मौजूद थे जिन्होंने पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी, लेकिन न्यायालय ने कहा कि यह उनके कार्य क्षेत्र में नहीं आता। न्यायालय में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह यादव भी उपस्थित रहे। उनका कहना था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने प्राथमिकी दर्ज की गई थी। चूंकि इस क्षेत्र में झूठी प्रवृत्ति के मामले दर्ज कराने की प्रवृत्ति बढ़ गई है इसलिए ऐसी प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने जमानत आवेदन का विरोध किया। साथ ही अतिरिक्त लोक अभियोजक घनश्याम मंगल ने भी पुलिस कार्रवाई को सही बताते हुए जमानत न देने का अनुरोध किया। न्यायधीश ने रघुवीर सिंह रावत को एक लाख रुपए के बंधक पत्र पेश करने पर जमानत देने के आदेश दिए।

### उठाए 11 सवाल

न्यायाधीश ने अपने आदेश के साथ पुलिस की प्रणाली पर 11 सवाल दागे

1. क्या पुलिस बीएनएस या सीआरपीसी में लिखित विधिक प्रक्रिया का उल्लंघन कर जीवन या स्वतंत्रता का हनन कर सकती है?
2. क्या अनुच्छेद 21 का उल्लंघन कानून व्यवस्था का हवाला देकर किया जा सकता है?
3. क्या बिना किसी सक्षम न्यायालय के आदेश अथवा जांच के इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि कोई प्रकरण असत्य रूप से दर्ज कराया है, जिसमें संलिप्त आरोपियों को क्लीन चिट देकर फरियादी/साक्षी को निरुद्ध कर सकते हैं?
4. बिना वैधानिक साक्ष्य जो निर्विवादित रूप से अभिलेख पर प्रस्तुत नहीं है, अंतिम निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रश्नगत प्रकरण झूठा दर्ज कराया गया है?
5. क्या कानून की मुख्य अवधारणा विधि का शासन को कानून व्यवस्था का हवाला देकर निर्मूल किया जा सकता है?
6. क्या राज्य स्वयं ही परिवादी और स्वयं ही न्यायाधीश की भूमिका निभा सकता है। जैसे इस प्रकरण में हुआ है। स्वयं विवेचक की हैसियत से हस्तगत शिकायतकर्ता की हैसियत में परिवर्तन हो गया है?
7. क्या शिकायतकर्ता को स्वयं के मामले में जांच का अधिकार है?
8. इस प्रकार की प्रक्रिया का उपयोग कर सक्षम न्यायालयों की अधिकारिकता को बायपास करना विधिक रूप से स्वीकार है?
9. असंज्ञेय अपराधों में बिना संबंधित मजिस्ट्रेट के आदेश विवेचना या गिरफ्तारी पुलिस कर सकती है?
10. बिना पृथक प्राथमिकी के मूल केस की विवेचना के आधार पर फरियादी या धारा 61 के कथन जिसमें फरियादी एवं समस्त साक्षी द्वारा घटना को किया जाना बताया गया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है?
11. क्या पुलिस के पास ऐसे मामलों में 182 दंड प्रक्रिया संहिता की कार्रवाई के अलावा कोई दूसरा विकल्प था?

# पूर्व न्यायाधीश को तीन साल के किराए सहित खाली करना होगा कार्यालय

सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट के पक्ष में फैसला

**ग्वालियर।** सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट द्वारा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शशि कुमार दुबे एवं उनके परिजनों के खिलाफ किराए के स्थान को खाली करने एवं किराया जमा कराने को लेकर न्यायालय में चल रहे मामले में सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट के पक्ष में फैसला आया है। बीसवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड ग्वालियर ओमप्रकाश परमार ने इस मामले की सुनवाई करते हुए आदेश दिया है कि शशि कुमार दुबे निवासी बसंत विहार एवं श्रेया दुबे पत्नी शशिकांत नायक को रिक्त आधिपत्य देने के साथ ही 143 रुपए प्रतिमाह से तीन साल का किराया 5148 रुपए देना होगा। सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट के सचिव राणा करण सिंह द्वारा यह वाद दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि ट्रस्ट धार्मिक एवं पारमार्थिक कार्य करता है। उनके स्वत्व एवं स्वामित्व की जगह माहौरकर का बाड़ा जयेंद्रगंज मुख्य मार्ग पर स्थित है। जिसे 143 रुपए प्रतिमाह किराए पर पुत्तूलाल दुबे एडवोकेट को दिया गया था। उनका निधन 24 अप्रैल 2002 को होने के बाद किराया जमा करने के लिए जब नोटिस दिए गए तो कोई जवाब नहीं दिया गया। वाद में कहा गया कि जिन लोगों को किराए से स्थान दिया गया था उन्होंने दुबे एंड दुबे फर्म को शिकमी भाड़ेदार बना लिया है जबकि इस स्थान का किराया प्रतिमाह एक लाख रुपए प्राप्त किया जा सकता है। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह माना कि शशि कुमार दुबे भागीदार प्रमाणित हैं। इसलिए उन्हें रिक्त आधिपत्य देने के साथ तीन वर्ष का किराया और वाद दायर करने के बाद का किराया जमा करना होगा। इस मामले में सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट की ओर से पैरवी घनश्याम मंगल ने की।

## सिटी स्पोर्ट्स

### सीएससीएस का महिला क्रिकेट टीम के लिए ट्रायल 5 अप्रैल से

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) की ओर से महिला क्रिकेट खिलाडियों हेतु ट्रायल का आयोजन 5, 6 तथा 7 अप्रैल को किया जा रहा है। यह छत्तीसगढ़ क्षेत्र से नई प्रतिभाओं को सामने लाने का प्रयास है। ट्रायल अंडर-15, अंडर-19, अंडर-23 तथा सीनियर आयु वर्ग के लिये आयोजित होगा। ट्रायल का आयोजन जिले अनुसार 5 स्थानों पर किया जायेगा। इनमें 5 अप्रैल को महात्मा गांधी स्टेडियम, अंबिकापुर जशपुर, सरगुजा तथा कोरिया, 6 अप्रैल न्यू क्रिकेट ग्राउंड कांकेर दंतेवाडा, बस्तर, नारायणपुर, कांकेर तथा धमतरी, 6 अप्रैल रेलवे क्रिकेट मैदान, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़ तथा जांजगीर चांपा 7 अप्रैल क्रिकेट क्लब ऑफ राजनांदगांव, बसंतपुर रोड, राजनांदगाव, दुर्ग, राजनांदगांव तथा कवर्धा 7 अप्रैल मनी ग्रीव क्रिकेट एकेडमी, वी.आई.पी. रोड, फुंडहर, रायपुर, महासमुंद, भिलाई तथा बीएसपी ट्रायल सुबह 07 बजे से शुरू होगा। ट्रायल हेतु विभिन्न आयु वर्गों हेतु कट ऑफ तारीख तय की गई है। जिसमें अंडर-15 जन्म दिनांक 01/09/2010 से 31/08/2013 को या उसके बाद, अंडर-19 जन्म दिनांक 01/09/2006 को या उसके बाद, अंडर-23 जन्म दिनांक 01/09/2002 को या उसके बाद है। ट्रायल हेतु खिलाडियों को संबंधित जिला संघ में ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है। सभी खिलाडियों को ट्रायल के पूर्व संबंधित जिला संघ से पंजीयन कराना होगा। सभी खिलाडियों को रंगीन ड्रेस में आना होगा तथा अपनी किट साथ लानी होगी। ट्रायल सफेद बॉल से होगी।

### नेशनल क्रिकेट एकेडमी कैंप के लिए छत्तीसगढ़ से तीन खिलाडियों का चयन

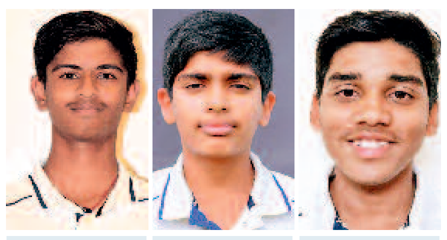

आर्यन सिंह | यथार्थ सिंह | वेदांत जैन

**रायपुर।** ऑल इंडिया जूनियर चयन समिति द्वारा नेशनल क्रिकेट एकेडमी के अंडर-16 एलिट कैंप हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के 3 खिलाडियों का चयन किया गया है। उक्त कैंप 18 अप्रैल से 14 मई तक विभिन्न जोनल क्रिकेट एकेडमी मे आयोजित किया जायेगा। इनमें वेदांत जैन – जयपुर, आर्यन सिंह – मुंबई और यर्थाथ सिंह चौहान पुणे में प्रशिक्षण लेंगे। उक्त खिलाडी बीसीसीआई के विषेशज्ञों के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त करेगें। जिसमें तकनीकी तथा शारीरिक प्रशिक्षण भी शामिल है।

### वुडबॉल नेशनल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ ने जीते कुल 13 मेडल

**रायपुर।** नागपुर में आयोजित वुडबॉल नेशनल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने अपनी शानदार प्रदर्शन से राज्य का नाम रोशन किया है। 23 से 26 मार्च तक चले इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने कुल 3 गोल्ड, 4 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते। टीम में गरियाबंद के कलेक्टर दीपक अग्रवाल भी शामिल थे, जिन्होंने सीनियर केटेगरी में 1 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

नागपुर में आयोजित इस 4 दिवसीय नेशनल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ वुड बॉल संघ से सीनियर और जूनियर कैटेगरी में 20 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया. गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने अपने शानदार प्रदर्शन से सीनियर स्ट्रोक डबल कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने महज 22 स्ट्रोक में 6 गेट पार कर यह सम्मान प्राप्त किया। वहीं सिंगल कैटेगरी में उन्होंने टॉप 6 खिलाड़ियों में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता। इसके अलावा, दीपक अग्रवाल की टीम के विपुल कुमार दास, दुर्गा भोईहर और शालिनी केवट की जोड़ी ने स्ट्रोक इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया।

राजधानी के खिलाड़ी जयेश तिवारी ने प्रदेश का नाम रोशन करते हुए शानदार प्रदर्शन कर ब्रांज मेडल जीता है। छत्तीसगढ़ के लिए मेडल जीतने में जयेश तिवारी समेत आकाश दुबे, अभिशेष पांडेय, विशाल पोपाट, शैलेश वर्मा, श्रृंगी, आफताब, पूजा चौधरी, नवीन गुप्ता, पूजा साहू, चंचल खुटे, अरना कुलश्रेष्ठ, पुष्कर साहू, दिव्या भगत, मनुप्रिया खेमका, शिवानी, और सुनीता बघेल का योगदान अहम रहा। इन खिलाड़ियों ने सीनियर और जूनियर केटेगिरी में डबल और सिंगल इवेंट्स में भाग लेकर मेडल जीते।

## कोरोना काल में वर्क फ्रॉम होम की आदत पड़ने से सामने आ रही परेशानियां

# खतरनाक है देर तक एक ही जगह बैठकर काम करना, हो सकती हैं बहुत सी शारीरिक समस्याएं

कोरोना काल के बाद अधिकतर कंपनियों ने वर्क-फ्रॉम होम की सुविधा दी थी। ऐसे में एम्पलाई घर पर ही टेबल-कुर्सी पर बैठकर लैपटॉप से काम कर रहे हैं। कोरोना के बीतने के बावजूद कई कंपनियां ऐसी है जो अपने एम्पलाई को अभी भी घर से काम करने की सुविधा दे रही है। लेकिन घर से काम करने के कारण ऑफिस टाइमिंग बढ़ गई है। पहले के 8-9 घंटों के मुकाबले यह समय बढ़कर 10-12 घंटे तक हो गया है।

हालांकि कुछ ऑफिस की तरफ से एम्पलाई को कंफर्टेबल फर्नीचर भी उपलब्ध कराए गए हैं। कुछ लोग घर में मौजूद फर्नीचर से ही काम कर रहे हैं। डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहने के दौरान पोश्चर बिगड़ने से कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। रिसर्च से यह साफ हो चुका है कि लंबे समय तक बैठने से कई तरह की सेहत संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। लंबे समय तक एक ही जगह बैठने से मसल्स टाइट हो जाते हैं। इसका असर यह होता है कि शरीर के विभिन्न हिस्सों में दर्द शुरू हो जाता है। जिससे लोगों को नेक स्टेचिंग,शोल्डर स्ट्रेचिंग,रिस्ट/कलाई स्ट्रेचिंग,लोअर बैक स्ट्रेचिंग,एंकल स्ट्रेचिंग और हिप स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज का सहारा लेना पड़ता है। साथ ही डेस्क जॉब और दिनभर कुर्सी पर बैठने वालों को शरीर की अकड़न दूर करने और फ्लेग्जिबल बने रहने के लिए स्ट्रेचेस करना पढ़ते है।

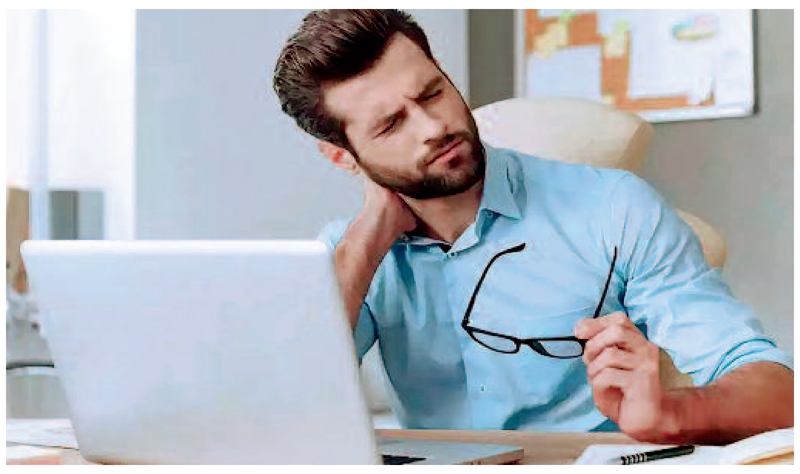

### कम ऊर्जा खर्च होना

यदि कोई लंबे समय तक एक ही जगह बैठता है तो उसकी नॉन-एक्सरसाइज एक्टिविटी कम हो जाती है। थर्मोजेनेसिस आमतौर पर एक्सरसाइज की तुलना में कुल एनर्जी एक्सपेंडिचर / व्यय का बड़ा सोर्स होता है। यदि कोई कोई चलेगा-फिरेगा नहीं और लंबे समय तक बैठा रहेगा तो यह एनर्जी व्यय कम हो जाएगा। इससे मोटापा, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, टाइप 2 डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

### स्लो मेटाबॉलिज्म

लंबे समय तक बैठने वाले लोगों का मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। लगातार बैठे रहने से मसल्स कॉन्ट्रेक्शन में कमी आ जाती है, लंबे समय तक स्थिर बैठने से होती है। इससे ब्लड से फैट निकासी धीमी हो जाती है और इंसुलिन का प्रभाव भी कम हो जाता है। इस कारण से लोगों का मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है और वजन भी बढ़ने लगता है।

### कंप्रोमाइज्ड पोश्चर

बैठने से पेल्विक मसल्स पीछे की ओर घूमता है, जिससे डिस्क पर दबाव आता है। यह स्थिति सिर को आगे की ओर ले जाती है और वजन ट्रांसफर करने के लिए कंधे मुड़ जाते हैं। इससे आपका शरीर आगे की ओर झुका हुआ प्रतीत होता है। लंबे समय तक ऐसा होने से शरीर आगे की ओर झुक जाएगा और बॉडी पोश्चर गलत हो जाएगा।

### पीठ और रीढ़ की चोट

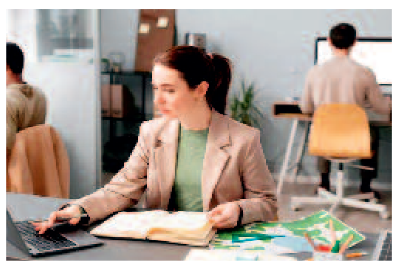

लंबे समय तक एक जगह बैठने से टिश्यूज पर पड़ने वाला दबाव समय के साथ पीठ के निचले हिस्से पर अनुचित दबाव डालता है। आसपास की मांसपेशियों और जोड़ों पर दबाव डालता है। इससे दर्द शुरू हो जाता है जो कि आगे चलकर गंभीर हो सकता है।

### अकेलापन या अवसाद

जब कोई लंबे समय तक बैठकर काम करता है तो उसकी सोशल लाइफ कम हो जाती है। ऐसे व्यक्ति में अवसाद और अकेलेपन की भावनाएं बढ़ जाती हैं। डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहने का मतलब यह भी है कि आप शायद पर्याप्त बाहर नहीं निकल रहे हैं। धूप की कमी व्यक्ति में विटामिन डी की कमी का कारण बन सकती है। यह अवसाद का कारण भी बन सकती है।

काम करते समय गलत तरीके से बैठने या डेस्क पर लंबे समय तक बैठने से पीठ के निचले हिस्से के दबाव में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है।

# किचन में बैठकर भोजन करने पर जानिए ज्योतिषीय राय

ज्योतिषशास्त्र में न जाने कितने ऐसे नियम बनाए गए हैं जो हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए होते हैं। ऐसे ही नियमों में से हैं खाने से जुड़ी कई बातें। खाना हमेशा साफ़ तन और मन से खाना चाहिए, भोजन से पहले मंत्रोच्चारण जरूर करना चाहिए, भोजन से पूर्व हमेशा हाथों और पैरों को धोना चाहिए। ऐसे कई नियम हैं जो हम नियमित भोजन करते समय ध्यान में रखते हैं जिससे इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ सके। एक और सबसे ज्यादा चर्चित सवाल यह उठता है कि क्या किचन में बैठकर खाना खाना ठीक है? जी हां, आज भी कई ऐसे घर हैं जहां लोग किचन में बैठकर भोजन करते हैं या फिर खाने और खाना बनाने का स्थान एक ही जगह पर होता है।

लेकिन अगर हम ज्योतिष की बात करें तो क्या वास्तव में किचन में भोजन करना ठीक है या इसके कोई नुकसान भी हो सकते हैं। इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमने नारद संचार के ज्योतिष अनिल जैन जी से बात की। आइए उनसे जानें कि ऐसा करना वास्तव में ठीक है या नहीं।

### किचन में बैठकर खाना राहु को प्रसन्न करने का तरीका

पहले के समय में लोग किचन में बैठकर ही खाना खाते थे। आज भी यदि हम ग्रामीण परिवेश में जाते हैं तो रसोई घर

में ही खाना खाने का प्रचलन है। दरअसल ज्योतिष में इसका बहुत अधिक महत्व है और इसका संबंध राहु ग्रह से माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि राहु यदि अप्रसन्न है तो इसका सीधा असर हमारे जीवन और स्वास्थ्य में पड़ता है। इस ग्रह को शांत करने और खुश करने के लिए रसोई में बैठकर भोजन करने की सलाह दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि यदि कोई भी किचन में बैठकर शुद्धता से भोजन करता है तो उस पर कभी भी राहु का बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। इसी वजह से कई घरों में किचन के साथ ही डाइनिंग एरिया होता है।

### परिवार के लोगों के बीच सामंजस्य बढ़ता है

जब किचन के भीतर हम एक साथ भोजन करते हैं तो परिवार के लोगों के बीच सामंजस्य स्थापित करने में मदद मिलती है। वास्तव में प्राचीन काल में परिवारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग होने का एक बड़ा कारण यही था कि लोग एक साथ रसोई में बैठकर खाना खाते थे और अपनी पूरे दिन की गतिविधियां साझा करते थे।

आज भी ज्योतिष में ऐसी सलाह दी जाती है कि परिवार के बीच के मतभेद को दूर करने के लिए सभी लोग एकसाथ बैठकर भोजन करें और यदि रसोईघर में भोजन करेंगे तो आपके और परिवार के लिए अच्छा होगा।

ज्योतिष की मानें तो जमीन में बैठकर खाना खाना कई तरह से फायदेमंद होता है। जब आप सीधे जमीन पर बैठकर खाना खाते हैं, तो शरीर पृथ्वी के सीधे ही संपर्क में आता है और उसकी तरंगें शरीर में प्रवेश करती हैं।

# शंख को घर पर रखने का है नियम

वास्तु दोष निवारण के लिए शंख अत्यधिक प्रभावी माना गया है। शंख को भगवान विष्णु का प्रिय माना गया है। समुद्र मंथन में शंख की उत्पत्ति हुई थी, जिसे श्रीहरि ने अपने हाथ में धारण किया। इसलिए इसे विष्णु का प्रतीक मानकर पूजा की जाती है।

### मां लक्ष्मी का निवासः

मान्यता है कि जहां शंख होता है, वहां धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। इसलिए इसे घर में रखने से सुख-समृद्धि बनी रहती है।

शंख ध्वनि से नकारात्मक ऊर्जा का नाशः

शंख बजाने से उत्पन्न ध्वनि तरंगें वातावरण को शुद्ध करती हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि शंखध्वनि से नकारात्मक शक्तियां और बुरी ऊर्जा दूर होती है।

### वास्तु दोष निवारण में शंख का उपयोग

मुख्य द्वार पर शंख रखने से सुरक्षाः

यदि घर के मुख्य द्वार पर वास्तु दोष हो, तो वहां शंख रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा निष्क्रिय हो जाती है और शुभ ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

### शंख जल का छिड़काव

वास्तु दोष निवारण के लिए शंख में जल भरकर पूरे घर में छिड़काव करना अत्यंत लाभकारी होता है। इससे घर का वातावरण पवित्र होता है और नकारात्मकता समाप्त होती है।

### शयनकक्ष में शंख रखने से वैवाहिक सुखः

यदि दांपत्य जीवन में तनाव है, तो शयनकक्ष में दक्षिणावर्ती शंख रखने से प्रेम और सौहार्द बना रहता है।

दुकान या कार्यस्थल में शंख रखने से व्यापार में वृद्धि होती है। विशेष रूप से दक्षिणावर्ती शंख को तिजोरी में रखने से धन-संपत्ति की वृद्धि होती है।

### उत्तर-पूर्व दिशा में शंख रखने से सकारात्मक ऊर्जाः

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में शंख में जल भरकर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

### शंख से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियम

पूजा में केवल समुद्र से प्राप्त शंख का ही प्रयोग करना चाहिए। शंख में जल भरकर भगवान को अर्पित करने से देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। टूटा या खंडित शंख घर में नहीं रखना चाहिए। शंख को हमेशा साफ और पवित्र स्थान पर रखें।

# हथेली पर बनने वाला हंस योग आकर्षित करता है धन-दौलत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन लोगों के हाथ में हंस योग होता है, वे अपार धन-संपत्ति अर्जित करते हैं और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। यह राजयोग व्यक्ति को भौतिक सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन प्रदान करता है। आइए जानते हैं कि यह योग कैसे बनता है।

किसी व्यक्ति की प्रगति उसकी मेहनत और भाग्य दोनों पर निर्भर करती है। कुछ लोग ऊंचाइयों को छू लेते हैं, जबकि कई निरंतर प्रयास करने के बावजूद भी उतनी सफलता नहीं प्राप्त कर पाते। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन लोगों के हाथ में हंस योग होता है, वे अपार धन-संपत्ति अर्जित करते हैं और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। यह राजयोग व्यक्ति को भौतिक सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन प्रदान करता है। आइए जानते हैं कि यह योग कैसे बनता है।

### हंस योग का निर्माण कैसे होता है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की हथेली में गुरु पर्वत उन्नत हो, तर्जनी उंगली अनामिका से लंबी हो और हथेली पर क्रॉस के अतिरिक्त कोई अन्य निशान न हो, तो यह हंस योग का निर्माण करता है। यह योग व्यक्ति के भाग्य को मजबूत करता है और उसे उन्नति के मार्ग पर ले जाता है।

### देव गुरु बृहस्पति का प्रभाव

हंस योग पंचमहापुरुष योगों में से एक माना जाता है, जिसका निर्माण देव गुरु बृहस्पति के प्रभाव से होता है।

कार्नर न्यूज

## आयुर्वेद में मौजूद है इस समस्या का निराकरण

# पेट की चर्बी को कम करने अपनाएं जरूरी उपाय सेहतमंद रहने के लिए आयुर्वेद बताता है कई रास्ते

पेट की चर्बी से आज के वक्त में काफी महिलाएं परेशान हैं। कई बार सही डाइट, एक्सरसाइज और भी कई कोशिशों के बाद पेट की जिद्दी चर्बी टस से मस नहीं होती है। जंक और अनहेल्दी फूड से दूरी बनाने से लेकर डाइट में हेल्दी और पौष्टिक चीजों को शामिल करने तक, अगर आप सब जतन कर चुके हैं, लेकिन आपका बेली फैट कम नहीं हो रहा है, तो आपको कुछ आयुर्वेदिक टिप्स की मदद लेनी चाहिए।

बता दें कि आयुर्वेद इंसान के शरीर की प्रकृति के हिसाब से बेली फैट को कम करने में मदद करता है। बेली फैट का शरीर में मौजूद तीनों दोषों से क्या कनेक्शन है, बेली फैट को कम करने के लिए किन आयुर्वेदिक टिप्स की मदद लेनी चाहिए, इस बारे में डॉक्टर शिखा शर्मा से जानते हैं। डॉक्टर शर्मा ने दिल्ली से पढ़ाई की है। वैदिक और मॉर्डन न्यूट्रिशन को फॉलो कर वह लोगों को सही डाइट चुनने और हेल्दी रहने में मदद करती हैं।

### आयुर्वेद के अनुसार बेली फैट का कारण

बेली फैट के पीछे कई वजहे हो सकती हैं। अगर बात आयुर्वेद की करें, तो आयुर्वेद चिकित्सा का पूरा सिध्दान्त, शरीर में मौजूद तीन दोषों वात, पित्त और कफ के संतुलन पर निर्भर करता है। इनमें असंतुलन होने पर शरीर को कई बीमारियां घेर लेती हैं। अगर शरीर में कफ दोष बढ़ जाता है, तो यह मोटापे के कारण होता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा मीठा, नमकीन खाती हैं और लाइफस्टाइल सही नहीं है, तो इससे कफ दोष असंतुलित हो जाता है और बेली फैट बढ़ जाता है।

बेली फैट को कम करने के आयुर्वेदिक टिप्स

बेली फैट को कम करने के लिए डाइट में ज्यादा मीठी, ऑयली, जंक और स्टार्च शामिल नहीं करना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार, डिनर का समय 6.30-7 बजे के बीच होना चाहिए। हमारी बायलॉजिकल क्लॉक और दोष प्रकृति के अनुसार, यह डिनर करने का सबसे सही समय है। इसके अलावा, पानी की सही मात्रा और टेम्परेचर, कफ दोष को इंबैलेंस करता है और बेली फैट को बढ़ाता है।

शरीर में जमे हुए फैट या बिना पचे हुए खाने को शरीर से निकालने के लिए गुनगुना पानी जरूरी होता है। बेली फैट को कम करने के लिए दालचीनी या जीरे का पानी पीना चाहिए। पेट की चर्बी को कम करने के लिए फिजिकल एक्सरसाइज जैसे रनिंग, वॉकिंग, ब्रिस्क वॉकिंग बहुत जरूरी है।

आयुर्वेद के अनुसार, इन एक्सरसाइज को करने से बॉडी से हीट निकलती है और कफ दोष कम होता है। वहीं, स्ट्रेस लेवल को कम करने के लिए योग, मेडिटेशन और प्राणायाम जरूरी है। इसके अलावा, कम से कम 6 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। अगर आप रात में जरूरत से ज्यादा सोते हैं या फिर दिन में सोती हैं, तो इसका असर कफ दोष पर होता है और मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है, जिससे बेली फैट कम होता है।

# इल खिलाड़ीयों पर रहेगी आईपीएल में नजरें

**वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरी थी तथा इस टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में भी कुछ युवा खिलाड़ी अपना जलवा दिखा सकते हैं। यह खिलाड़ी आईपीएल के मौजूदा सीजन में दमदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगह में सितारा बनाकर उभर सकते हैं।**

### प्रशांत वीर (चेन्नई सुपर किंग्स):

भारत में ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो धीमी गति से बाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं और बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन अमेठी में जन्मे 20 वर्षीय प्रशांत वीर की तरह रवींद्र जडेजा की जगह भरने की चुनौती का सामना कोई नहीं कर रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले युवा खिलाड़ियों पर इतना अधिक भरोसा कभी नहीं दिखाया था। इस फ्रेंचाइजी ने ट्रायल के दौरान प्रशांत वीर का खेल देखा और इस आधार पर 14.20 करोड़ रुपये की बोली लगाकर उन्हें अपने साथ जोड़ा।

### औकिब नबी (दिल्ली कैपिटल्स):

औकिब नबी की उम्र 29 साल है और उन्हें युवा खिलाड़ी नहीं कहा जा सकता है लेकिन उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर रहेगी। उनके पास घरेलू क्रिकेट का आठ साल का अच्छा खासा अनुभव है। नबी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम जम्मू कश्मीर को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 60 से अधिक विकेट लिए।

### अशोक शर्मा (गुजरात टाइटंस):

अशोक भारत के सबसे तेज युवा गेंदबाजों में से एक हैं। वह पहले राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को इस सत्र में गुजरात से खेलने का मौका मिलेगा, क्योंकि उनकी टीम में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ-साथ कगिसो रबादा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं।

### तेजस्वी दहिया (कोलकाता नाइट राइडर्स)

कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच अभिषेक नायर के शिष्य अंगकृष रघुवंशी को बल्लेबाज-विकेटकीपर के रूप में तैयार किया जा रहा है क्योंकि वह पहले ही आईपीएल के कुछ सत्र में खेल चुके हैं। लेकिन दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय दहिया भी एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्हें अगर लगातार मौका मिले तो वह अच्छे परिणाम दे सकते हैं।

### नमन तिवारी (लखनऊ सुपर जाएंट्स)

भारत में बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं और 2024 में अंडर-19 विश्व कप में खेलने वाले नमन तिवारी ने ट्रायल के दौरान सभी को प्रभावित किया है। यह 20 वर्षीय खिलाड़ी नियमित रूप से 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करता है। उन्होंने 2024 में यूपी टी20 लीग में नोएडा किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था और जरूरत पड़ने पर वह एक उपयोगी विकल्प हो सकते हैं।

### शिवांग कुमार (सनराइजर्स हैदराबाद)

मध्य प्रदेश के 23 वर्षीय खिलाड़ी शिवांग बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर हैं, जो उन्हें एक दुर्लभ प्रतिभा बनाता है। भारतीय टीम में कुलदीप यादव ऐसे गेंदबाज हैं। कुलदीप हालांकि क्रीज तक पहुंचने के लिए कोणीय रन-अप लेते हैं, शिवांग का रन-अप अधिक पारंपरिक और सीधा होता है। यह देखना बाकी है कि सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल वेटोरी प्लेइंग-11 में उनके लिए कोई जगह बना पाते हैं या नहीं।

आईपीएल के दूसरे चरण की सूची जारी

# 13 अप्रैल से 24 मई तक 50 मैच, 8 डबल हेडर; कुल 74 मुकाबले ही होंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सेकेंड फेज का शेड्यूल रिलीज हो गया है। आईपीएल कमेटी ने शाम 6 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। 13 अप्रैल से 24 मई तक 12 वेन्यू पर 50 मैच खेले जाएंगे। इनमें 8 डबल हेडर होंगे। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रायपुर को अपना दूसरा होमग्राउंड बनाया, टीम यहां 2 मैच खेलेगी। पहले फेज में 28 मार्च से 12 अप्रैल तक 20 मैच होने हैं। प्लेऑफ का शेड्यूल अनाउंस नहीं हुआ, लेकिन फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में ही खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 74 मैच ही खेले जाएंगे। लीग स्टेज में 70 मैच होंगे, वहीं प्लेऑफ स्टेज में 4 मैच खेले जाएंगे। पहले खबरें थीं कि इस सीजन 84 मैच होने हैं, लेकिन आईपीएल कमेटी ने मैचों की संख्या नहीं बढ़ाई।

विराट कोहली बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान

### रायपुर और धर्मशाला 2 टीमों के सेकेंड होमग्राउंड

आईपीएल में 10 टीमें हैं। सभी अपने होमग्राउंड पर 7 और अपोजिशन टीम के होमग्राउंड पर 7 मैच खेलेंगी। 10 टीमों के 10 होमग्राउंड के अलावा राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने 2-2 होमग्राउंड चुने हैं। राजस्थान अपने शुरुआती 3 होम मैच गुवाहाटी में खेलेगी, वहीं 4 मैच जयपुर में खेले जाएंगे। बेंगलुरु का दूसरा होमग्राउंड रायपुर और पंजाब का मुल्लांपुर है। बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर, मुल्लांपुर और गुवाहाटी टूर्नामेंट के 13 वेन्यू हैं। यहां लीग स्टेज के 70 मैच होंगे। प्लेऑफ के 4 मैच में मुल्लांपुर और बेंगलुरु में खेले जाएंगे, लेकिन इनकी तारीखें अनाउंस होना बाकी है।

### सैमसन और गायकवाड़ करेंगे सीएसके के लिए ओपनिंग

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल 2026 से पहले सबसे बड़ा सवाल यही था कि उनके लिए ओपनिंग कौन करेगा। उन्होंने सीज़न से पहले ही संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा था और टीम में पहले से ही कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ तथा अंडर-19 स्टार आयुष म्हात्रे मौजूद थे। बुधवार को मुंबई में कप्तानों के इवेंट में गायकवाड़ ने बताया कि सीएसके ने अपनी ओपनिंग जोड़ी को फ़ाइनल कर लिया है। गायकवाड़ तीनों बल्लेबाज़ों को लेकर बात कर रहे थे और उस दौरान उन्होंने कहा, रुतु और संजू।

### इस बार आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

आईपीएल में इस बार ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की है। सीजन का पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को होगा। सैकिया ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'पिछले साल 4 जून को हुई दुखद घटना की वजह से इस बार पहले दिन फॉर्मल फंक्शन यानी ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। बीसीसीआई कोई कल्चरल इवेंट ऑर्गनाइज नहीं करेगा।' सैकिया ने आगे बताया, 'बोर्ड आईपीएल फाइनल वाले दिन ग्रैंड क्लोजिंग सेरेमनी की प्लानिंग कर रहा है।' फाइनल 31 मई को खेला जाएगा।' 4 जून 2025 को आरसीबी ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद बेंगलुरू में विक्ट्री परेड निकाली गई, जिसमें स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी।

## कोहली ने 19 गेंदों में बनाए 45 रन: कार्तिक बोले- हर साल नया प्लान, इस बार और बेहतर दिखेंगे

### 28 को आरसीबी का पहला मैच

आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। बेंगलुरु में आरसीबी के दूसरे इंट्रा स्क्वाड मैच में विराट कोहली ने तेज पारी खेलते हुए 19 गेंद में 45 रन बनाए। टीम के मेंटर और बैटिंग कोच दिनेश कार्तिक ने उनकी फॉर्म और इरादे की तारीफ की है। इससे पहले सोमवार को खेले गए पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी विराट ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए थे।

**पिछले प्रैक्टिस मैच में भी दिखा था 'पाटीदार-जितेश' का जलवा:** इससे पहले सोमवार को हुए पहले इंट्रा स्क्वाड मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने 37 गेंद में 81 रन बनाए थे। कप्तान रजत पाटीदार ने 25 गेंद में 74 रन ठोके। कोहली ने वहां 12 गेंद में 29 रन बनाए थे।

### वे खुद को बेहतर बना रहे : कार्तिक

मैच के बाद आरसीबी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दिनेश कार्तिक ने कहा, 'आज का गेम अच्छा रहा। विराट की क्लास शुरुआत में ही दिख गई थी, उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। विराट की महानता यह है कि वे हर साल एक खास प्लान और इरादे के साथ आते हैं। आपने देखा कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को किस स्तर पर पहुंचाया है। मुझे लगता है कि इस साल वे और भी बेहतर करने की कोशिश करेंगे।'

**मुश्किल दौर से गुजर रहे फिल साल्ट को कोहली का साथ:** वीडियो में विराट कोहली अपने ओपनिंग पार्टनर फिल साल्ट को गेंदबाजी करते हुए भी दिखे। साल्ट फिलहाल टी-20 क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्होंने 8 पारियों में सिर्फ 130 रन बनाए थे। ऐसे में कोहली अनुभवी सीनियर खिलाड़ी के तौर पर साल्ट का हौसला बढ़ाते और उन्हें सपोर्ट करते नजर आए।

### इंडियन प्रीमियर लीग विजेता

| वर्ष | विजेता | रनर-अप |
|---|---|---|
| 2025 | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | पंजाब किंग्स |
| 2024 | कोलकाता नाइट राइडर्स | सनराइजर्स हैदराबाद |
| 2023 | चेन्नई सुपर किंग्स | गुजरात टाइटन्स |
| 2022 | गुजरात टाइटन्स | राजस्थान रॉयल्स |
| 2021 | चेन्नई सुपर किंग्स | कोलकाता नाइट राइडर्स |
| 2020 | मुंबई इंडियंस | दिल्ली कैपिटल्स |
| 2019 | मुंबई इंडियंस | चेन्नई सुपर किंग्स |
| 2018 | चेन्नई सुपर किंग्स | सनराइजर्स हैदराबाद |
| 2017 | मुंबई इंडियंस | राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स |
| 2016 | सनराइजर्स हैदराबाद | रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर |
| 2015 | मुंबई इंडियंस | चेन्नई सुपर किंग्स |
| 2014 | कोलकाता नाइट राइडर्स | किंग्स XI पंजाब |
| 2013 | मुंबई इंडियंस | चेन्नई सुपर किंग्स |
| 2012 | कोलकाता नाइट राइडर्स | चेन्नई सुपर किंग्स |
| 2011 | चेन्नई सुपर किंग्स | रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर |
| 2010 | चेन्नई सुपर किंग्स | मुंबई इंडियंस |
| 2009 | डेक्कन चार्जर्स | रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर |
| 2008 | राजस्थान रॉयल्स | चेन्नई सुपर किंग्स |

स्रोत: IPLT20.com KBK Sports Graphics

### आईपीएल के 70 लीग मुकाबलों की सूची

- 28 मार्च : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद (बेंगलुरु, शाम 7 :30 बजे)
- 29 मार्च : मुंबई इंडियंस विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स (मुंबई, शाम 7 :30 बजे)
- 30 मार्च : राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स (गुवाहाटी, शाम 7 :30 बजे)
- 31 मार्च : पंजाब किंग्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस (न्यू चंडीगढ़, शाम 7 :30 बजे)
- 1 अप्रैल : लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध द ल्ली कैप टिल्स (लखनऊ, शाम 7 :30 बजे)
- 2 अप्रैल : कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद (कोलकाता)
- 3 अप्रैल : चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध पंजाब किंग्स (चेन्नई)
- 4 अप्रैल :द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस (दोपहर 3 :30, दिल्ली)
- गुजरात टाइटंस विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स (शाम 7 :30, अहमदाबाद)
- 5 अप्रैल :सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स (दोपहर, हैदराबाद)
- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स (शाम, बेंगलुरु)
- 6 अप्रैल : कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध पंजाब किंग्स
- 7 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस
- 8 अप्रैल :द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस
- 9 अप्रैल : कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स
- 10 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 11 अप्रैल :पंजाब किंग्स विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद (दोपहर)
- चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्धद ल्ली कैप टिल्स (शाम)
- 12 अप्रैल : लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस (दोपहर)
- मुंबई इंडियंस विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (शाम)
- 13 अप्रैल : सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स
- 14 अप्रैल : चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स
- 15 अप्रैल : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स
- 16 अप्रैल : मुंबई इंडियंस विरुद्ध पंजाब किंग्स
- 17 अप्रैल : गुजरात टाइटंस विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स
- 18 अप्रैल :रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्धद ल्ली कैप टिल्स (दोपहर)
- सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स (शाम)
- 19 अप्रैल :कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स (दोपहर)
- पंजाब किंग्स विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स (शाम)
- 20 अप्रैल : गुजरात टाइटंस विरुद्ध मुंबई इंडियंस
- 21 अप्रैल : सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्धद ल्ली कैप टिल्स
- 22 अप्रैल : लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स
- 23 अप्रैल : मुंबई इंडियंस विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स
- 24 अप्रैल : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्ध गुजरात टाइटंस
- 25 अप्रैल :द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध पंजाब किंग्स (दोपहर)
- राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध हैदराबाद (शाम, जयपुर)
- 26 अप्रैल : गुजरात टाइटंस विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स (दोपहर)
- लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स (शाम)
- 27 अप्रैल :द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 28 अप्रैल : पंजाब किंग्स विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स
- 29 अप्रैल : मुंबई इंडियंस विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद
- 30 अप्रैल : गुजरात टाइटंस विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 1 मई : राजस्थान रॉयल्स विरुद्धद ल्ली कैप टिल्स
- 2 मई : चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस
- 3 मई : सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स (दोपहर)
- गुजरात टाइटंस विरुद्ध पंजाब किंग्स (शाम)
- 4 मई : मुंबई इंडियंस विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स
- 5 मई :द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स
- 6 मई : सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध पंजाब किंग्स
- 7 मई : लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 8 मई :द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स
- 9 मई : राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस
- 10 मई : चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स (दोपहर)
- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्ध मुंबई इंडियंस (शाम, रायपुर)
- 11 मई : पंजाब किंग्स विरुद्धद ल्ली कैप टिल्स
- 12 मई : गुजरात टाइटंस विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद
- 13 मई : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स
- 14 मई : पंजाब किंग्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस
- 15 मई : लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स
- 16 मई : कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस
- 17 मई :पंजाब किंग्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (दोपहर)
- द ल्ली कैप टिल्स विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स (शाम)
- 18 मई : चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद
- 19 मई : राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स
- 20 मई : कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस
- 21 मई : चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस
- 22 मई : सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 23 मई : लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध पंजाब किंग्स
- 24 मई : मुंबई इंडियंस विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स (दोपहर)
- कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्धद ल्ली कैप टिल्स (शाम)

## संक्षिप्त समाचार

### मानसिक रूप से मजबूत बनाने ब्रेक की जरूरत : शॉ

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2025 के ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ एक बार फिर अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के साथ जुड़ गए हैं। साल 2023 और 2024 के सीजन शॉ के लिए कुछ ख़ास नहीं रहे थे, जहां 16 पारियों में उनके बल्ले से महज 304 रन ही निकले। हालांकि आईपीएल 2026 के आग़ाज़ से पहले शॉ का मानना है कि इस छोटे से ब्रेक ने उन्हें मानसिक रूप से काफ़ी मजबूत और तरोताज़ा कर दिया है।

### एशियन गेम्स मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण : मीराबाई चानू

**रायपुर।** भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि एशियन गेम्स मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वहां मेरा अभी भी कुछ काम शेष है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के बुधवार को उद्घाटन समारोह के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में मीराबाई ने कहा, रएशियन गेम्स मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां मेरा अभी भी कुछ अधूरा काम बाकी है। एशियन गेम्स में मुकाबले का स्तर बहुत ऊंचा होता है, जो इसे और भी अधिक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बनाता है।

### पेगुला को हराकर रायबाकिना मियामी ओपन के सेमी में

**फ़्लोरिडा (अमेरिका)।** एलेना रायबाकिना ने जेसिका पेगुला को लगातार पांचवीं बार हराकर मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से हराकर यह मुकाबला जीता। 32 वर्षीय पेगुला ने पहले सेट में 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन रायबाकिना ने जोरदार वापसी की। उन्होंने 15 'ऐस' लगाए और 10 में से आठ 'ब्रेक पॉइंट' बचाकर जीत हासिल की।

वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आएंगी

# टीम इंडिया घरेलू सीजन में 22 मैच खेलेगी 9 वनडे, 5 टेस्ट और 8 टी-20 होंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

बीसीसीआई ने टीम इंडिया के 2026-27 के इंटरनेशनल घरेलू सीजन का शेड्यूल जारी कर दिया है। इस सीजन में कुल 22 मैच (9 वनडे, 5 टेस्ट और 8 टी-20) 17 अलग-अलग शहरों में खेले जाएंगे। इस दौरान कुल चार टीमें भारत दौरे पर आएंगी। इसमें वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के नाम शामिल है। घरेलू सीजन का आगाज सितंबर में होगा।

### वेस्टइंडीज दौरे से शुरू होगा सीजन

सीजन की शुरुआत 27 सितंबर 2026 से वेस्टइंडीज के भारत दौरे के साथ होगी। इस दौरे में तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेले जाएंगे। वनडे मुकाबले तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में होंगे, जबकि टी-20 सीरीज लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में खेली जाएगी। इसके बाद दिसंबर 2026 में श्रीलंका टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

### भारत-ऑस्ट्रेलिया 5 टेस्ट खेलेंगे

नए साल की शुरुआत में जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे टीम भारत दौरे पर तीन वनडे मैच खेलेगी। ये मुकाबले कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में आयोजित होंगे। इस सीजन बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी होगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी। इसकी शुरुआत 21 जनवरी 2027 को नागपुर में पहले टेस्ट से होगी। इसके बाद अगले चार टेस्ट चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।

### केकेआर ने आंद्रे रसल के सम्मान में जर्सी नंबर 12 रिटायर किया

**कोलकाता।** कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसल के सम्मान में जर्सी नंबर 12 को रिटायर करने की घोषणा की। रसल ने 2014 से 2025 तक केकेआर के लिए खेला और कुल 140 मैचों में से 133 आईपीएल मुकाबलों में टीम का प्रतिनिधित्व किया। यह निर्णय उनके फ्रैंचाइज़ी के लिए दिए गए योगदान को सम्मानित करने के लिए लिया गया है। रसल पिछले साल नवंबर में आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं और अब केकेआर की टीम में पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग भूमिका अपनाने से उनके माइंडसेट में कोई बदलाव नहीं आया है और वह अपने अनुभव का फायदा खिलाड़ियों को देने में खुश महसूस कर रहे हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में मध्यप्रदेश का दमदार प्रदर्शन

# हॉकी में बेटियों की शानदार जीत फुटबॉल में भी लहराया परचम

खेल संवाददाता, भोपाल

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉकी और फुटबॉल दोनों में जीत दर्ज कर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। महिला हॉकी टीम ने छत्तीसगढ़ को 5-3 से हराया, वहीं पुरुष फुटबॉल टीम ने तमिलनाडु को 3-1 से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत हासिल की। यह सफलता खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास, रणनीतिक खेल और उत्कृष्ट प्रतिभा का परिणाम है। मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। सटीक पासिंग, तेज आक्रमण और मजबूत डिफेंस के चलते टीम ने पूरे मैच में बढ़त कायम रखते हुए निर्णायक जीत हासिल की।

खिलाड़ियों की ऊर्जा और समर्पण ने दर्शकों को भी रोमांचित कर दिया। यह जीत मध्यप्रदेश की जनजातीय महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना का सशक्त उदाहरण है। टीम की प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका का उत्कृष्ट निर्वहन करते हुए जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

**फुटबॉल में भी मध्यप्रदेश का शानदार प्रदर्शन:** खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में मध्यप्रदेश पुरुष फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु को 3-1 से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। मैच के दौरान टीम ने उत्कृष्ट तालमेल, आक्रामक खेल शैली एवं सुदृढ़ रक्षा का परिचय देते हुए अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

एशियन गेम्स में भारत की ताकत दिखाने के लिए मंत्री सारंग ने की तैयारियाँ शुरू

# बेहतर प्रदर्शन के लिये प्रशिक्षकों को दी जिम्मेदारी जरूरत और सुविधाओं पर ध्यान देने के निर्देश

### वॉटर स्पोर्ट्स के प्रत्येक खेल के प्रशिक्षकों से किया वन-टू-वन संवाद

खेल संवाददाता, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने एशियन गेम्स में वॉटर स्पोर्ट्स के प्रशिक्षकों के साथ वन-टू-वन संवाद किया और जोर दिया कि प्रत्येक खेल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करें। इसके लिए उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने प्रशिक्षकों को खिलाड़ियों की जरूरतों और सुविधाओं पर ध्यान देने के स्पष्ट निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि राज्य सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की सुविधा या अपेक्षा हो तो तुरंत सूचित करें, और किसी भी समस्या या परेशानी की स्थिति में नियुक्त अधिकारी से लगातार संपर्क बनाए रखें। मंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। मंत्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में विश्व स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए खिलाड़ियों को विशेष रूप से तैयार करें। मंत्री श्री सारंग बुधवार को टी.टी. नगर स्टेडियम के मेजर ध्यानचंद हॉल में विभागीय अधिकारियों और प्रशिक्षकों के साथ सितम्बर माह में होने वाले एशियन गेम्स के संबंध में चर्चा कर रहे थे।

### भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया सेमीफाइनल में पहुंचा

**माले (मालदीव)।** राउंडग्लास पंजाब एफसी एकेडमी के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की अंडर-20 पुरुष नेशनल टीम को मालदीव में सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप में पाकिस्तान पर 3-0 से शानदार जीत दिलाई। माले के नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में हुए इस रोमांचक मुकाबले में ब्लू कोल्ट्स ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की और साथ ही पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की, जिसमें एकेडमी के टैलेंट ने शुरुआती गोल करने में अहम भूमिका निभाई और आखिर में मैच में किए गए हर गोल का हिसाब रखा। ठसिर्फ तीसरे मिनट में, गुरनाज सिंह ने शानदार विजन दिखाया, और एक परफेक्ट वेट वाली थ्रू बॉल को बॉक्स में डाल दिया।

डीआरएम ट्रॉफी अंडर-12 टूर्नामेंट

# विश्वास सारंग और रेलवे यूथ अकादमी ने जीते अपने मैच

खेल संवाददाता, भोपाल

डीआरएम ट्रॉफी अंडर-12 टूर्नामेंट में आज दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में अंकुर क्रिकेट अकादमी का सामना विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी से हुआ। अंकुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बैटिंग करते हुए मयंक ने टीम के लिए 92 रन का लक्ष्य बनाया, जिसमें अंकुर प्रतीक ने 26 रन जोड़े। विश्वास सारंग की ओर से अयांश और इब्राहिम ने 3-3 विकेट लेकर टीम को मजबूत स्थिति में रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वीएस अकादमी ने अक्षत की नाबाद 41 रनों की पारी की मदद से 92 रन बनाकर मैच जीत लिया। अंकुर की ओर से मोहक और हिमांशु ने 2-2 विकेट लिए। दूसरे मैच में रेलवे यूथ क्रिकेट अकादमी और रेलवे गर्वित क्रिकेट अकादमी आमने-सामने आई। टॉस जीतकर रेलवे गर्वित ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 103 रन बनाए। रेलवे गर्वित की ओर से प्रियांश और राजवीर ने 18-18 रन जोड़े। रेलवे यूथ के पर्थ और देव ने 2-2 विकेट लेकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा।

## भोपाल समेत तीन संभागों के प्रतिभागियों के साक्षात्कार पूरे

**भोपाल, रासं।** प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को सागर और नर्मदापुरम संभाग के नेशनल टैलेंट हंट के तहत प्रतिभागियों के साक्षात्कार किए गए। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए साक्षात्कार प्रक्रिया में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों के साक्षात्कार राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल यादव और वरिष्ठ साहित्यकार विजय बहादुर सिंह ने लिए। चयनकर्ताओं ने प्रतिभागियों के उत्साह, आत्मविश्वास एवं ज्ञान की सराहना करते हुए इसे संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल बताया। मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि भोपाल में बुधवार और गुरुवार को भोपाल, सागर और नर्मदापुरम संभाग के प्रतिभागियों के साक्षात्कार हो चुके हैं। इससे पूर्व ग्वालियर में चंबल और ग्वालियर संभाग के प्रतिभागियों के साक्षात्कार हो चुके हैं। द्वितीय चरण में इंदौर, रीवा एवं जबलपुर मुख्यालय पर आयोजित होने वाले साक्षात्कारों की तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी।

# आईएएस 30 अप्रैल तक पूरा कर सकेंगे विशेष कोर्स

### जीएडी ने सभी आईएएस अफसरों को जारी किए निर्देश

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत आईएएस अधिकारियों के लिए चल रही ऑनलाइन ट्रेनिंग और वार्षिक मूल्यांकन (एपीएआर) से जुड़ी एक बड़ी खबर है।

अब आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर अनिवार्य पाठ्यक्रम पूरा करने और समग्र मूल्यांकन जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी गई है। पहले यह डेडलाइन 31 मार्च, 2026 तय थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2026 कर दिया गया है। यानी जिन अधिकारियों ने अभी तक अपने कोर्स पूरे नहीं किए हैं, उन्हें एक महीने का अतिरिक्त समय मिल गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी आईएएस अफसरों को निर्देश जारी किए हैं।

### क्या है पूरा मामला?

भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने पहले ही निर्देश दिए थे कि सभी अधिकारी अपनी सेवा अवधि और भूमिका के अनुसार तय किए गए विशेष कोर्स आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर पूरा करें। इसके साथ ही इन कोर्स का विवरण अपनी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट के साथ जोड़ना भी जरूरी है। इस सिलसिले में जुलाई और अक्टूबर, 2025 में भी निर्देश जारी किए गए थे, जिनमें कहा गया था कि हर अधिकारी को अपनी भूमिका के अनुसार तय कोर्स करना अनिवार्य है, कोर्स पूरा करने के बाद उसे एपीएआर के साथ जोड़ना होगा। सरकार का मकसद अधिकारियों की क्षमता बढ़ाना और उन्हें नई तकनीक व कार्यप्रणाली के अनुरूप अपडेट रखना है। आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल इसी दिशा में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां अधिकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण लेकर अपनी कार्यक्षमता बढ़ा सकते हैं।

# बड़ा तालाब: मोहलत खत्म, अब होगी अतिक्रमण पर कार्रवाई

### एफटीएल से 50 मीटर दायरे में हैं कोठी, बंगले, फार्म हाउस, होटल, लगाए थे लाल निशान

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

बड़े तालाब की सीमाओं को चिह्नित करने के लिए प्रशासन ने विगत माह सीमांकन की कार्रवाई शुरू की थी। इसके तहत संत हिरदाराम नगर और टीटीनगर वृत्त के राजस्व अमले ने सीमांकन करते हुए एफटीएल से 50 मीटर दायरे में कोठी, बंगले, फार्म हाउस, होटल सहित 300 से अधिक निर्माण चिह्नित किए गए हैं। इन सभी पर राजस्व अमले ने लाल निशान लगाकर निर्माणकर्ताओं को नोटिस देकर दस्तावेज पेश करने का समय तक दिया था। अब तहसीलदारों ने इस तरह के अतिक्रमण की बिंदुवार रिपोर्ट तैयार कर ली है, जिसे जल्द ही एसडीएम के माध्यम से कलेक्टर के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री ने महादेवी वर्मा की जयंती पर किया नमन

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हिन्दी साहित्य के छायावादी युग की प्रमुख स्तंभ, प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय महादेवी वर्मा की कृतियों के हर शब्द भावनाओं के संवाहक हैं, जो हृदय की गहराइयों में समा जाते हैं। ये कृतियां देश की अमूल्य धरोहर है।

### हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल के बढ़ाए चार फेरे

**भोपाल।** रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भोपाल होकर हैदराबाद-गोरखपुर के मध्य संचालित स्पेशल ट्रेन 07075 हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल की संचालन अवधि को 27 मार्च से बढ़ाकर 24 अप्रैल तक किया गया है वापसी में 07076 गोरखपुर-हैदराबाद स्पेशल की संचालन अवधि को 29 मार्च से बढ़ाकर 26 अप्रैल कर दिया है अर्थात यह स्पेशल ट्रेन अब दोनों दिशाओं में अतिरिक्त 04-04 ट्रिप चलेगी।

### प्रवेश नवीनीकरण के लिए कल तक अंतिम मौका

**भोपाल।** उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक (द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ वर्ष) और स्नातकोत्तर (तृतीय सेमेस्टर) के विद्यार्थियों को प्रवेश नवीनीकरण के लिए प्रवेश पोर्टल अब 28 मार्च तक खुला रहेगा। यह सुविधा उन छात्रों के लिए है, जो पूरक परीक्षा परिणाम देर से आने के कारण निर्धारित समय पर प्रवेश नवीनीकरण नहीं कर सके थे। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. दिवा मिश्रा ने विद्यार्थियों से

### राज्य सहकारी विपणन संघ की समीक्षा बैठक में मंत्री सारंग ने दिए निर्देश

# किसानों को समय पर उपलब्ध कराएं खाद 10.80 लाख मीट्रिक टन वितरण का लक्ष्य

### मार्कफेड को आत्मनिर्भर बनाने होगा कायाकल्प

**खास बातें**

- बंद इकाइयों के पुनरुद्धार और संपत्तियों की डिजिटल मैपिंग पर भी जोर
- बंद ओद्योगिक इकाइयां शुरू करने पर विचार किया जाएगा
- पैक्स केंद्रों पर किसानों को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) कार्यालय में समीक्षा बैठक में संघ की गतिविधियों, उर्वरक वितरण व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन, परिसंपत्तियों के उपयोग एवं व्यवसाय विस्तार की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मार्कफेड को आत्मनिर्भर, आधुनिक एवं व्यावसायिक रूप से मजबूत संस्था बनाने के लिए सभी अधिकारी लक्ष्य आधारित कार्य करें। उन्होंने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, बंद औद्योगिक इकाइयों को पुनः प्रारंभ करने, संपत्तियों की डिजिटल मैपिंग करने तथा गोदामों के पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

**6.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण हो चुका:** बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 10.80 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध 23 मार्च तक 6.70 लाख मीट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। किसानों को स्थानीय स्तर पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

#### 15 दिवस के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें

मार्कफेड के कायाकल्प के लिये गठित विशेष अनुसंधान समिति को 15 दिवस के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। 'को-ऑपरेशन एमंग को-ऑपरेटिव्स' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए कृषि विपणन आंदोलन को राज्य स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मार्कफेड के माध्यम से कृषि विपणन आंदोलन को और मजबूत किया जाएगा तथा संस्था की वित्तीय स्थिति का सटीक आकलन इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक पूर्ण किया जाएगा। बैठक में राज्य विपणन संघ के प्रबंध संचालक अभिजीत अग्रवाल, सचिव श्री महेंद्र दीक्षित सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री सारंग ने वित्तीय प्रबंधन की समीक्षा करते हुए बैंकों से प्राप्त ऋण एवं लंबित बकाया राशि की शीघ्र वसूली के निर्देश दिए, जिससे उर्वरक कंपनियों को भुगतान में कोई बाधा नहीं आए। उन्होंने कहा कि संस्था की वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाना प्राथमिकता है।

#### संपत्तियों को 'संपदा पोर्टल' पर अपडेट किया जाए

श्री सारंग ने निर्देश दिए कि संघ की सभी अचल संपत्तियों की मैपिंग कर उनका विवरण 'संपदा पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से अपडेट किया जाए। साथ ही अचल संपत्तियों की सुरक्षा एवं व्यावसायिक उपयोग के लिये विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर मुख्यालय भेजी जाए। बैठक में भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर एवं अन्य स्थानों पर बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को प्रारंभ करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए। उज्जैन स्थित पेट्रोल पंप को तत्काल पुन: प्रारंभ करने तथा मुख्य मार्गों पर स्थित भूमि पर नए व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स/पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिये वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के भी निर्देश दिए गए। ईईसी एवं एनसीडीसी योजना के पुराने गोदामों के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देने तथा उपार्जन प्रक्रिया में संघ के 316 गोदामों (क्षमता 7.84 लाख मीट्रिक टन) का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

### डीपीआई ने जारी किया नया शैक्षणिक कैलेंडर

# एक मई से 15 जून तक स्कूलों में छात्र-छात्राओं को अवकाश

- शिक्षक केवल एक से 31 मई तक मना सकेंगे अवकाश

**विशेष संवाददाता ■ भोपाल**

स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। विद्यार्थियों को एक मई से 15 जून तक और शिक्षकों को केवल एक से 31 मई तक अवकाश मिलेगा।

विभाग के उपसचिव प्रमोद सिंह ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए अवकाश कैलेंडर का आदेश जारी कर दिया। सिंह के अनुसार नए शैक्षणिक सत्र का आगाज एक अप्रैल से प्रवेशोत्सव के साथ होगा। एक से 30 अप्रैल तक प्रदेश के सभी स्कूल कक्षा 1 से 12 तक खुलेंगे। एक से 31 मई तक बच्चों के लिए अवकाश रहेगा। वही 1 जून को शिक्षक, अपने स्कूल में उपस्थित होंगे और नवीन सत्र के लिए काम करेंगे। इसके अलावा नए सत्र में 19 से 21 अक्टूबर तक दशहरा दशहरा अवकाश, 6 नवंबर से 10 नवंबर तक दीवाली और 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। उपरोक्त तीनों अवकाश विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए समान रूप से लागू रहेंगे।

#### प्रमोद सिंह बने संचालक, कुशवाह को हटाया

लोक शिक्षण संचालनालय में बुधवार को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बड़ा बदलाव कर दिया। वर्तमान में संचालक रहे डीएस कुशवाहा को हटाकर संचालक राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान बना दिया और इस पद पर विराजमान प्रमोद कुमार सिंह को संचालक नियुक्त किया है।

# इंजीनियर समेत तीन लोगों ने फांसी लगाई

- पत्नी को बच्चों की परवरिश करने की सलाह देकर माता-पिता से सुसाइड नोट में माफी मांगी

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

बीते चौबीस घंटों के दौरान राजधानी के तीन अलग-अलग स्थानों पर फांसी लगाकर खुदकुशी के मामले सामने आए।

पुलिस के अनुसार अजय कुमार सिंह पिता नत्थू लाल सिंह उम्र 36 साल मूलतः रीवा जिले के रहने वाले थे। यहां भेल में मैकेनिकल इंजीनियर थे। अजय कुमार सिंह यहां खजूरी कला रोड पर स्थित शिवलोक ग्रीन्स कॉलोनी में रहते थे। पत्नी और दो बच्चे स्कूल की छुट्टी लगने पर गांव चले गए थे। उन्होंने मंगलवार रात परिवार से बातचीत भी की थी। अगली सुबह जब फोन नहीं उठाया तो पड़ोसियों को भेजा गया। यहां पंखे पर दुपट्टे से फांसी उन्होंने लगाई थी। पुलिस को लोअर की जेब से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उन्होंने मर्जी से आत्महत्या की बातचीत करते हुए पत्नी और माता-पिता से माफी मांगी हैं। इधर, ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित अशोका स्टेट में रहने वाले यतेंद्र द्विवेदी उर्फ गुड्डा पिता विद्यासागर द्विवेदी उम्र 51 साल ने बुधवार सुबह फांसी के फंदे पर लटके मिले। इधर, गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम डोबरा रोड पर इंदौर-गोवा-चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट कंपनी के कंटेनर एमपी-09-बीजे-1492 के पिछले हिस्से में फांसी के फंदे से लटका हुआ शव मिला। शव की पहचान कंटेनर चालक प्रवेश यादव पिता गिरीश यादव उम्र 27 साल के रुप में हुई है।

### उफ ये गर्मी.....

राजधानी भोपाल में तेज धूप निकलने से लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है।

# ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

- सिर पर चढ़ा ट्राली का पहिया, आरोपी ड्राइवर फरार

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

परवलिया इलाके में गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक के सिर पर ट्रॉली का पहिया चढ़ने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

#### कैसे हुआ हादसा

हवलदार गिरीश राठौर के अनुसार मनोज विश्वकर्मा पिता स्वर्गीय प्रेमनारायण विश्वकर्मा उम्र 38 साल ग्राम रतनपुर में रहते थे। वह भौंरी में स्थित एक फर्नीचर दुकान में नौकरी करते थे। मनोज विश्वकर्मा की शादी 2015 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। गुरुवार सुबह लगभग पौने दस बजे बाइक से फर्नीचर दुकान जा रहे थे। परवलिया सड़क पर स्थित मुख्य मार्ग पर जब वे पहुंचे तो उनके आगे बाइक चल रही थी। उन्होंने जैसे ही ट्रैक्टर को ओवरटेक किया तो सामने से दूसरी बाइक सवार आ गया। जिससे मनोज विश्वकर्मा का वाहन टकरा गया। जिस कारण वह सड़क पर गिरे और पीछे से आ रही ट्रॉली का पहिया उनके सिर पर चढ़ गया। ट्रैक्टर चालक ने बचाने का प्रयास भी किया था। इसके लिए पूरा वाहन रफ्तार में होने के बावजूद मोड़ दिया था। जिस कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खेत पर उतरकर पलट गई थी। इसके बाद उसका चालक उसे लावारिस छोड़कर भाग गया। परवलिया सड़क पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

#### चौबीस घंटे में ट्रैक्टर-ट्रॉली से चौथी मौत

भोपाल देहात क्षेत्र में स्थित ट्रैक्टर-ट्रॉली के कारण हुई सड़क दुर्घटना में बीते चौबीस घंटों के दौरान यह चौथी मौत है। इससे पहले ईटखेड़ी इलाके में भूसे से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बलेनो कार आमने-सामने टकरा गई थी। जिसमें हर्ष मेहरा, सतीश मेहरा और लकी कुशवाहा की मौत हो गई थी। दरअसल, रबी सीजन में गेहूं की कई जगह कटाई शुरू हो गई है। जिस कारण ग्रामीण अंचलों की परिवहन व्यवस्था में अहम ट्रैक्टर-ट्रॉली की भारी मांग होने के कारण यह सड़कों पर बहुत ज्यादा संख्या में होती हैं। काम को जल्द पूरा करने और दूसरे स्थान पर काम करने के लिए उत्साहित वाहन चालक खतरा मोल लेने में भी नहीं हिचकते हैं।

### गौहर महल का संरक्षण : मैनिट ने शुरू किया वैज्ञानिक मूल्यांकन

# जल रिसाव की गहन जांच, कमजोर हिस्सों की होगी पहचान

- अत्याधुनिक गैर विनाशकारी तकनीकों से स्थल पर परीक्षण
- दीर्घकालिक स्थिरता और भविष्य के संरक्षण कार्यों की रूपरेखा

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

गौहर महल जैसी ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और अभिनव पहल सामने आई है। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड ने मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी संस्थान (मेनिट) के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से महल का वैज्ञानिक मूल्यांकन प्रारंभ किया है। इस परियोजना के तहत संरचना की मजबूती, स्थायित्व और भू-तकनीकी स्थिति का अध्ययन आधुनिक गैर-विनाशकारी तकनीकों के माध्यम से किया जा रहा है।इसी क्रम में गुरुवार को मैनिट की शोध टीम ने गोहर महल परिसर में जल रिसाव (सीपेज) की गहन जांच की। इस अध्ययन का उद्देश्य महल के भीतर और उसकी नींव के नीचे जल प्रवाह की स्थिति को समझना और उसके संरचनात्मक प्रभावों का विश्लेषण करना है।

#### अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से किया परीक्षण

मैनिट के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋतुजा चव्हाण और प्रोफेसर डॉ. ज्योति सरूप के मार्गदर्शन में बी.टेक और पीएचडी शोधार्थियों की टीम ने अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से स्थल पर परीक्षण किए। इस दौरान ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार और मैग्नेटोटेल्यूरिक तकनीक जैसे उन्नत साधनों का उपयोग करते हुए महल की सतह के नीचे की स्थिति का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया। गौहर महल के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया की विशेषता यह रही कि जांच पूर्णत: गैर-विनाशकारी तकनीकों के माध्यम से की गई। इससे महल की मूल संरचना को बिना किसी क्षति पहुंचाए सटीक और विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त किए जा सके।

**दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सकेगी...** विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रारंभिक अध्ययन गोहर महल के संरक्षण की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी कदम है। इससे भविष्य में संरक्षण एवं पुनर्स्थापन कार्यों की वैज्ञानिक रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी। समय रहते जल रिसाव जैसी समस्याओं का समाधान कर महल की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सकेगी।

## प्रतिबंधित वन्य-जीवों की अवैध बिक्री पर होगी सख्त कार्रवाई

**भोपाल।** प्रतिबंधित वन्य-जीवों की अवैध बिक्री, खरीद-फरोख्त एवं पालन को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। वन विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में स्पष्ट किया गया है कि अनुसूचीबद्ध वन्य-जीवों का शिकार, व्यापार, परिवहन, कब्जा या पालन दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद बाजार में कुछ पेट शॉप और एक्वेरियम दुकानों में प्रतिबंधित कछुओं, पक्षियों एवं अन्य जीवित प्रजातियों की अवैध बिक्री की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जो पूर्णतः गैरकानूनी है और वन्य-जीवों की प्राकृतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध है। पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)